CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प्रथम अखिल भारतीय मैथिली साहित्य सम्मेलन, दरभंगा

१.५

परिचय- पात

आम्नाय-ग्रन्थालय,
जलनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

न्थालय
, वाराणसी-५

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

प्रथम अखिल भारतीय मैथिली साहित्य सम्मेलन

दरभंगा

परिचय–पात

आम्नाय–ग्रन्थालय
भरतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

FIRST ALL INDIA MAITHILI WRITERS' CONFERENCE

Darbhanga

WHO IS WHO

१९५६

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प्रथम अखिल भारतीय मैथिली साहित्य सम्मेलन

दरभंगा

परिचय–पात

आम्नाय–ग्रन्थालय,
भारतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

वैदेही समिति
दरभंगा
ALL INDIA MAITHILI SAHITYA SAMMELAN DARBHANGA

FIRST ALL INDIA MAITHILI WRITERS' CONFERENCE

Darbhanga

WHO IS WHO

१९५६

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

श्रीकृष्णकान्तमिश्र, मंत्री, वैदेही समिति एवं अखिल भारतीय मैथिली साहित्य
सम्मेलन, दरभंगा हेतु श्रीनारायणप्रसाद द्वारा
हिन्दुस्थान प्रिंटर्स एण्ड ट्रेडर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, दरभंगामे मुद्रित

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आम्नाय-ग्रन्थालय,
भरतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

विज्ञप्ति

एहन परिचय-पात (Who's Who) क प्रकाशन मैथिलीमे सर्वप्रथमे थिक। एकर प्रकाशनमे ततेक ने बाधा ओ कठिन परिस्थिति सभ उपस्थित भेलैक जकर वर्णन करब एतै उचित नहि हैत। एहमे सम्भवतः बहुतो विशिष्ट ओ आदरणीय विद्वानक नामक उल्लेख ओ पूर्ण परिचय छुटि गेल हैत ताहि लेल हम क्षमा-प्रार्थी छी। जतेक महानुभावक परिचय छपल अछि ताहिमे जतबे हमरा सामग्री प्राप्त भै सकल तकरे उपयोग कैल अछि; जे सूचनादि हमरा सामर्थ्यसँ बाहर छल तकर समावेश नहि भै सकल ताहि हेतु हमरा पूर्ण खेद अछि। एकर मार्जन अग्रिम संस्करणमे भै जैत, से आशा। एहि संकलन-कार्यमे हमर परम प्रिय मित्र श्रीगोविन्दजी (अनुवाद-विभाग, सचिवालय, पटना) सँ पूर्ण सहायता भेटल अछि जे हम बिसरि नहि सकैत छी। त्रुटि सबहिक हेतु पुनः सभसँ क्षमा-याचना।

श्रीकृष्णकान्तमिश्र
मंत्री, वैदेही समिति
एवं अखिल भारतीय मैथिली
साहित्य सम्मेलन, दरभंगा।

१५-११-५६

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

विवरण-क्रम

नाम	लौकिक प्रवृत्ति (शा. प्र.)
उपनाम (उ.)	प्रथम रचना (प्रथ.)
जन्म [स्थान ओ तिथि] (ज.)	प्रकाशन (प्र.)
शिक्षा (शि.)	अप्रकाशित रचना (अ. र.)
व्यवसाय (व्य.)	वर्त्तमान पता (व. प.)
परिवार (प.)	स्थायी पता (स्थां. प.)
शास्त्रीय प्रवृत्ति (शा. प्र.)	प्रारम्भिक जीवन (प्रा. जी.)

संकेतक

अ. र. – अप्रकाशित रचना (काल)	व्य. – व्यवसाय
उ. – उपनाम	शा. प्र. – शास्त्रीय प्रवृत्ति
ज. – जन्म (स्थान ओ समय)	शि. – शिक्षा
प. – परिवार	स्था. प. – स्थायी पता
प्र. – प्रकाशन (काल)	दे. – देखू
प्रथ. – प्रथम रचना	सम्पा. – सम्पादक
लौ. प्र. – लौकिक प्रवृत्ति	वि. – विशेष
व. प. – वर्त्तमान पता	सद. – सदस्य

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आम्नाय-ग्रन्थालय,
भारतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

प्रधान संरक्षक

महामहिमश्रीरंगनाथरामचन्द्रदिवाकर, राज्यपाल, बिहार

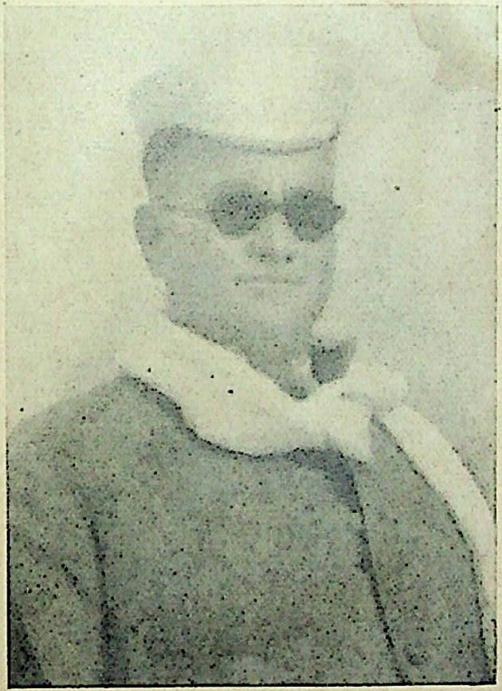

महाराजाधिराज डाक्टर सर कामेश्वरसिंह, दरभंगा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प्रधान सभापति

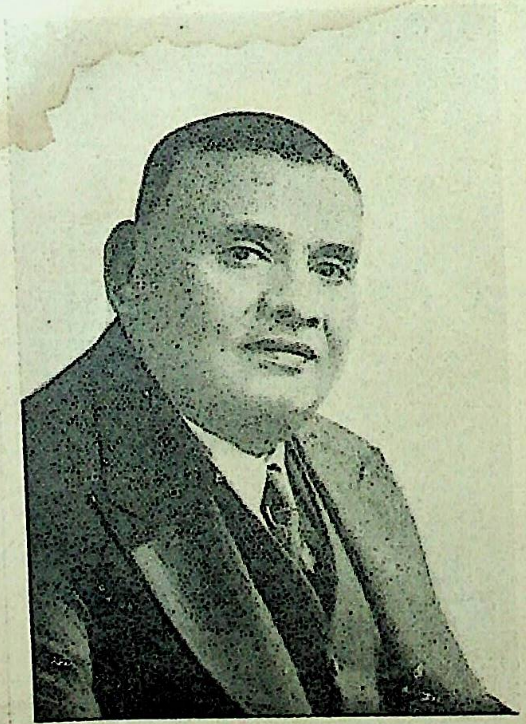

श्रीश्यामनन्दनसहाय, एम. पी., उपकुलपति, बिहार विश्वविद्यालय, पटना

स्वागताध्यक्ष

म०म० डा०श्रीउमेशमिश्र, प्रयाग विश्वविद्यालय, प्रयाग

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अ. भा. मैथिली साहित्य सम्मेलन

प्रथम अधिवेशन

दरभङ्गा (मिथिला)

प्रधान संरक्षक

महामहिम श्रीरंगनाथरामचन्द्रदिवाकर

ज. —धारवार (कर्नाटक) ३०-६-१८६४ ई०, शि. —बी. ए. (१६१६), एम्. ए. (कन्नड़-१६१८), कानून (१६२०), व्य. —राज्यपाल, बिहार राज्य (१५ जून १६५२ सँ), शा. प्र. —कन्नड़, अंगरेजी एवं हिन्दीक प्रमुख लेखक, प्र. —कन्नड़मे १२ गोट ग्रन्थ (गीतेय गुट्ट, उपनिषत्-प्रकाश, वचन शास्त्र रहस्य, सत्याग्रह एवं गान्धीजी सम्बन्धी-पोथी, श्रीरामकृष्ण-जीवनी आदि), हिन्दी (कर्मयोग, उपनिषदों की कहानियां, सत्याग्रह-मीमांसा, गांधीजी जैसे मैने देखा, सत्याग्रह और विश्व शान्ति, गीता नित्य पाठ, अन्तरात्मा से आदि), अंग्रेजी (Nation's call, Satyagraha: History and Technique, Power of Truth: American Edition of the above, Glimpses of Gandhiji, Upanishadas in story and Dialogue, Satyagrah. in Action (At a request of world Pacifist Meeting), Satyagrah: Pathway to Peace, Mahayogi: Life and Teaching of Sri Aurobindo), स्. प.— राज-भवन, पटना।

महाराजाधिराज डाक्टर सर कामेश्वरसिंहबहादुर,

ज.—दरभंगा २८-११-१९०७ प्रा. जी.—के. टी.; जी. सी. आइ. ई., के. बी. इ., एल्. एल्. डी., डि. लिट., एम्. पी. प्रसिद्ध

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राजनीतिज्ञ एवं विधानज्ञ, समाज-सुधारक, दरभंगा इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्टक संस्थापक, अखिल भारतीय मैथिल महासभाक सभापति, मिथिला संस्कृत विद्यापीठ, दरभंगाक संस्थापक एवं अनेक सार्वजनिक संस्थाक संरक्षक। स्था. प.—नरगौना पैलेस, दरभंगा।

प्रधान सभापति

श्रीश्यामनन्दनसहाय, एम्. पी.

ज.—धामर, शाहाबाद १ जन. १९००, शि.—मैट्रिक, (राजकीय हाइ स्कूल, मुजफ्फरपुर) बी. ए. (जी. बी. बी. कालेज, मुजफ्फरपुर–१९२०), प्रा. जी.–सभापति, मुजफ्फरपुर नगरपालिका-अनेक वर्ष धरि, १९३०–१९३७ प्रान्तीय काउन्सिलक सदस्य, बिहारक पूर्व व्यवस्थापिका सभा एवं परिषद्क निर्वाचित सदस्य, भारतक प्रथम विधान-परिषद्क निर्वाचित सदस्य (१९४६), भारतीय पारलियामेन्टक सदस्य (१९५० सँ), बिहार राज्य कोऔपरेटिव बैंकक सभापति एवं अखिल भारतीय कोऔपरेटिव यूनियनक अध्यक्ष, बिहार-पशुक्रूरता-रक्षक-सभाक अध्यक्ष, भारत सरकारक औद्योगिक कौरपोरेशनक डाइरेक्टर, अध्यक्ष, बिहार स्कूल-परीक्षा-समिति एवं बिहार संस्कृत एसोसियेशनक परीक्षा-बोर्ड, व्य.—उप-कुलपति, बिहार विश्वविद्यालय, पटना। शा. प्र.—पचास हजार टाका दए बाघी ग्राम (मुजफ्फरपुर) मे हाइ स्कूलक स्थापना, बिहार जन-सेवा-आयोगक प्रतियोगिता-परीक्षा सभमे मैथिली-विषयक स्थान प्राप्त कराओल, लौ. प्र.–भारतक उद्योग ओ व्यापारक विकासमे अत्यन्त रुचि, एवं भारत सरकारक औद्योगिक समिति सभक मुख्य सदस्य, व. प.—सहाय भवन, बेलीरोड, पटना, स्था. प.—पो० बाघी, मुजफ्फरपुर।

स्वागताध्यक्ष

महामहोपाध्यायडाक्टरश्रीउमेशमिश्र

ज.—बिन्ही ग्राम (नेपाल) १८९६ ई., शि.—एम्. ए. (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय), डी. लिट्. (प्रयाग विश्वविद्यालय), महामहोपाध्याय (१९४३)

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

व्य.—भूतपूर्व डाइरेक्टर, मिथिला संस्कृत विद्यापीठ, दरभंगा, प.—छओ पुत्र एवं दू कन्या, शा. प्र.—मैथिली गद्य एवं आलोचना, मैथिल संस्कृति ओ सभ्यता पर अध्ययन, संस्कृत, अंग्रेजी, हिन्दी एवं भारतीय दर्शनक विशेष अध्ययन, प्रथ.—मिथिला-मोदमे प्रथम रचना प्रकाशित, प्र.—कमला (१६२०), नलोपाख्यान, मैथिली लिपिक उद्भव ओ विकास, मैथिली-गद्य-कुसुमाञ्जलि, मैथिली-गद्य-कुसुममाला, मैथिल संस्कृति ओ सभ्यता(दू भाग), मनबोधक कृष्णजन्म, विद्यापति ठाकुर, Conception of Matter According to Nyaya-Vaisheshika, Nimbarka School of Vedanta, Introduction to Purva Mimamsa and its Sources, A critical study of Bhagvatagita etc. etc, अ. र.–History of Philosophy (7 vols), भारतीय दर्शन की रूपरेखा, इत्यादि स्था. प.–तीरभुक्ति, १, एलेनगंज रोड, प्रयाग-२।

विभागीय सभापति

कथा-साहित्यक विकास—प्रोफेसरश्रीहरिमोहनझा

ज.–कुमर बाजितपुर (१६०८), शि.–एम्. ए. (१९३२), व्य.–दर्शन विभागाध्यक्ष, पटना विश्वविद्यालय, पटना, शा. प्र.–हास्य-प्रधान कथा, कविता, एकांकी आदि, प्र.–कन्यादान, द्विरागमन, प्रणम्यदेवता, खट्टरकाक अखाढ़ा, तीर्थयात्रा, खट्टरककाक तरंग, रंगशाला, आदि अ. र.—चर्चरी आदि स्था. प.—पो० कुमर बाजितपुर (मुजफ्फरपुर)।

कविताक विकास—श्रीवैद्यनाथमिश्र 'यात्री'

ज.–१६१० शि.–तरौनी, सतलखा, महिसी, गोनौली, पचगछिया, काशी, कलकत्ता, लाहोर, केलानिया-लंका, थोलिङ्–तिब्बत व्य.–लेखक, शा. प्र.–कथा, कविता, नाटक, आलोचना आदि, प्र.–पारो, नवतुरिआ; रतिनाथक पितिआइन, वलचनमा, बाबा बटेसरनाथ, चित्रा, शपथ, युगधारा। अ. र.–अँड़िया बड़द, बिशाखा आदि, स्था प.–तरौनी, पो० सकरी, दरभंगा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

नाटकक विकास—डाक्टरश्रीजयकान्तमिश्र

ज.—बनारस ७-१२-१९२२ ई०, शि.—मैट्रिक (१९३७), बी. ए. (१९४१), एम्. ए. (१९४३) डी. फिल., (प्रयाग विश्वविद्यालय), व्य.—अध्यापन प.—दू पुत्र एवं दू कन्या, शा. प्र.—गद्य, आलोचना, एवं इतिहास लौ. प्र.-फुलवारी, फोटो आदि, प्रथ.—मिथिलामिहिरमे, प्र.—A History of Maithili Literature - 2 vols, The Folk Literature, अनुसन्धानात्मक अनेक स्फुट रचना एवं ग्रन्थ, अ. र.-कीर्त्तिपताका, कीर्त्तिलता, History of Mithila, स्था. प.—१, एलनगंजरोड, प्रयाग–२।

आलोचनाक विकास—प्रोफेसरश्रीरमानाथझा

ज.—२१ सितम्बर १९०६, शि.—एम्. ए., बी. एल., काव्यतीर्थ, व्य.—अध्यापक, मिथिला कालेज, दरभंगा, शा. प्र.—आलोचना, गद्य, इत्यादि प्रथ.—उदयन कथा (१९३७) प्र.—मिथिला-भाषा-प्रकाश, उदयन-कथा, कविता-कुसुम, साहित्य-पत्र इत्यादि, व. प.—राज पुस्तकालय, दरभंगा स्था.—गा. धर्मपुर, पो० लोहना रोड, दरभंगा।

मिथिलाक संगीत एवं ललित-कलाक विकास—प्रोफेसरश्रीईशनाथझा

ज.—१९०७ ई०, व्य.—अध्यापक, मिथिला कालेज, दरभगा, शा. प्र.—कविता, नाटक, आलोचना, संगीत आदि, लौ. प्र.—संगीत, प्र.—माला, शकुन्तला-नाटक, उगना, मृच्छकटिक (अनुवाद), स्था. प.— नवटोल, पो०, सरिसवपाही, दरभंगा।

निबन्धक विकास—कुमारश्रीगंगानन्दसिंह

ज.—२४ सितम्बर १८९८ ई० शि.—मैट्रिक (१९१५), एम्. ए. (कलकत्ता विश्वविद्यालय १९२१), शा. प्र.—कथा, आलोचना गद्य, एवं कविता, प्र.–अगिलही, जीवन-संघर्ष, व. प.—एम्. एल. सी. फ्लैट, गार्डिनर रोड, पटना, स्था. प—श्रीनगर, पूर्णियाँ।

मिथिलाक इतिहासक विकास—प्रोफेसरश्रीराधाकृष्णचौधरी

ज.-मधेपुरा, १२-२-१९२४ ई०। शि.-एम्. ए., पुराणशास्त्री, हिन्दुस्तानी कल्चर एकेडमी प्राइजमैन, एफ. आर, ए. एस (लंदन)। व्य.—कओलेजमे

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

वैदेही समिति, दरभङ्गा
क
आजीवन सदस्य

श्रीचन्द्रमोहनझा, भू० पू० डी० आई० जी, वानूछपरा, वेतिया

श्रीउमानाथमिश्र, कटिहार

श्रीउपेन्द्रनाथझा 'व्यास,' गया

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सम्मेलन
क
विभागीय सभापति

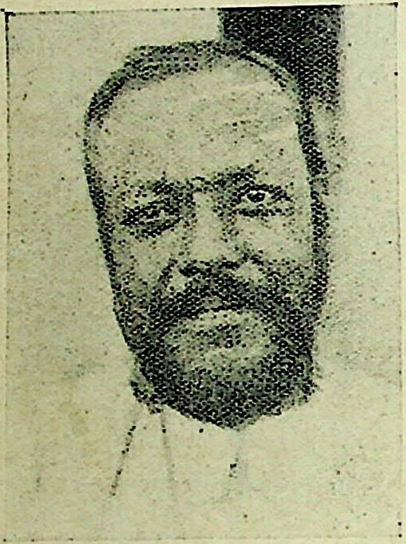

प्रो० श्रीरमानाथझा
[आलोचनाविभाग]

कुमारश्रीगंगानन्दसिंह
[निवन्ध-विभाग]

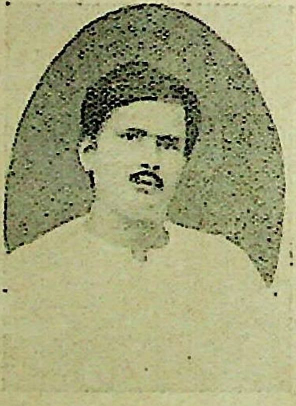

प्रो० श्रीराधाकृष्णचौधरी
[इतिहास-विभाग]

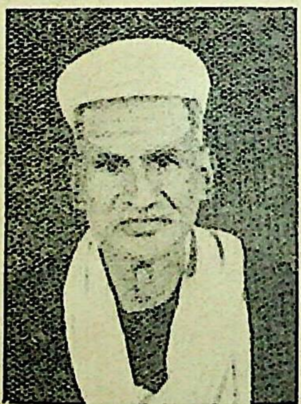

कविवरश्रीसीतारामझा
[कविसम्मेलन-विभाग]

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अध्यापन। प.—पत्नी–श्रीमती शान्तिदेवी, आ. इ. ए. धरि पढ़लि। प्र—मैथिली साहित्यक निबन्धावली। अ. र.--धम्मपदक मैथिली अनुवाद। मैथिली-लोकगीत, पत्नीक सङ्ग, (अंगरेजी ओ हिन्दीमे इतिहास—सम्बन्धी अनेकानेक ग्रन्थ)। व. प—अध्यक्ष, इतिहास ओ प्राचीन इतिहास विभाग, गणेशदत्त कालेज, बेगूसराय। स्था. प–मधेपुरा, जि० सहरसा।

कविसम्मेलन—-कविवरश्रीसीतारामझा

ज.—-चौगमा, विक्रम संवत १६४७, माघकृष्ण तृतीया बुध, शि.–मटिहानी, जनकपुर, दरभंगा आदि संस्कृत पाठशालामे, अध्ययन-संवत १६७२मे तीर्थ परीक्षा पास, मैथिली भाषामे धौतपरीक्षोतीर्ण व्य.–ज्यो. अध्यापक, राजकीय संस्कृत महाविद्यालय, बनारस शा. प्र.–ज्योतिष, एवं कविता, प्रथ.–मिथिला मोदमे (१६७२ विक्रम संवत) प्र.—अलंकार दर्पण, अम्बचरित महाकाव्य एवं अन्य अनेको ग्रन्थ व. प.–राजकीय संस्कृत कालेज, बनारस स्था. प.–चौगमा, पो० बहेड़ा, दरभङ्गा।

मंत्री—प्रोफेसरश्रीकृष्णकान्तमिश्र

उ.–भ्रमर, इन्द्र ज.–प्रयाग २५-१०-१६२८ ई० शि.–एम्. ए. (प्रयाग विश्वविद्यालय व्य.—अध्यापक, मिथिला कालेज, दरभङ्गा, प.—दू पुत्र, शा. प्र.—कथा, इतिहास, आलोचना, नाटक तथा अन्य अनेको अनुसन्धानात्मक लेख, लौ. प्र.—पुरातत्व अन्वेषण प्रथ.—मिथिलामिहिरमे १९४४-'अन्तिम अभिलाषा', प्र.—हमर दोसर विवाह, गल्पांजलि, मिथिलाक इतिहास, चयनिका, मैथिली साहित्यक इतिहास, इत्यादि व. प.—वैदेही समिति, लालबाग, दरभङ्गा स्था. प.–तीरभुक्ति, १ पलेनगंज रोड, प्रयाग-२।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitizagtion by eGangotri

वैदेही समिति, दरभंगा

विशिष्ट पोषक

महामहिम श्रीरंगनाथरामचन्द्रदिवाकर

देखू पृष्ठ १।

पंडित श्रीहरिनाथमिश्र

ज.—१ फरवरी १६१८ शि.—एम्. ए (कलकत्ता विश्वविद्यालय) प्रा. जी.—प्रस्तावित मिथिला विश्वविद्यालयक मंत्री, एम्. एल. ए. (१९४५-सँ), कोशी-योजनाक प्रस्तावक, सभापति, मिथिला कालेज, दरभङ्गा एवं अखिल भारतीय मैथिली साहित्य परिषद्, दरभङ्गा व्य.—मंत्री, स्वास्थ्य एवं आपूर्ति, बिहार सरकार, प्र.—The Koshi Problem, व. प.—२ स्ट्रैन्ड रोड, पटना स्था. प.—ग्रा० ओ पो० कोइलख, दरभङ्गा।

संरक्षक

आचार्यश्रीरामलोचनशरण

उ.—बिहारी ज.—१८६१ ई० प्रा. जी.—शिक्षक, जिला स्कूल, दरभंगा, पुस्तक-भंडारक स्थापना १६१६, 'बालक' सचित्र मासिक पत्रिकाक प्रकाशन १९२६, विद्यापति प्रेसक स्थापना १६२८, पुस्तक-भंडार क शाखा पटना मे १६३० शा. प्र.—इतिहास, गद्य, व्याकरण आदि, प्र.-व्याकरण चन्द्रिका, व्याकरण-चन्द्रोदय, मैथिलीक अनेक पोथी व. प.—पुस्तक-भंडार, पटना।

डाक्टरश्रीविमलचरणलॉ

शि.—एम्. ए., डी. लिट्. प्र.—भारतक प्राचीन संस्कृति एवं अनेक अन्य गम्भीर ग्रन्थक रचना, व. प.—४३, कैलाश बोस स्ट्रीट, कलकत्ता-६।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बाबूश्रीचन्द्रधारीसिंह

ज.—१८९६ ई. शि.—मैट्रिक (मुजफ्फरपुर), दर्शन, ज्योतिष, सङ्गीत, व्याकरण, तन्त्र आदिक अध्यन, व्य.-अध्ययन, प०–दू पुत्र, शा. प्र.–गद्य, सङ्गीत, कविता, कोष, व्याकरण, ज्योतिष, न्याय आदि, लौ. प्र.–संग्रहालय, प्र.—मुक्तावलीक चन्द्रिका टीका, अमरकोष टीका, अ. र.—भगवद्गीतापर दार्शनिक विचार, स्था. प.—चन्द्रनगर ड्योढ़ी, पो. राँटी, मधुबनी, वाया दरभंगा।

आजीवन सदस्य

श्रीलक्ष्मणझा

स्था. प.–ग्रा.–पो. नारायणपट्टी, वाया राजनगर, दरभङ्गा।

श्रीसुशीलकुमारराय

ज.–१८८५ ई., शि.–बी. ए. (१९०३), एम्. ए. एवं कानून (१९०६), व्य.–वकालत, शा. प्र.–साहित्य, इतिहास, एवं मिथिलाक दर्शन-शास्त्र, लौ. प्र.–फुलवारी, स्था. प.–वीणाकुंज, पो. मधुबनी, दरभङ्गा।

बाबूश्रीजगदीशनन्दनसिंह

स्था. प.–मधुबनी ड्योढ़ी, मधुबनी, दरभङ्गा।

बाबूश्रीचन्द्रमोहनझा

ज.–बेतिया, फरवरी १८९८ ई० व्य.–(१) अवकाशप्राप्त राजकीय डी. आइ. जी., (२) मैनेजर, वेतिया राज, स्था. प.–बानू छपरा, पो० वेतिया, चम्पारण।

श्रीशिवशंकरझा

व्य.–वकालत, स्था. प.–पो. मधुबनी, दरभङ्गा।

श्रीजयनाथमिश्र

व. प.–मैनेजिंग डाइरेक्टर, श्रीअजन्ता प्रेस लि., नयाटोला पटना।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

चौधरोश्रीजितेन्द्रनारायणझा

स्था. प.–ग्रा. पो. बहेड़ी, वाया हायाघाट, दरभङ्गा।

श्रीउपेन्द्रनाथझा'व्यास'

उ.–व्यास। ज.–हरिपुर, बक्सी टोल (दरभंगा), कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी सोम, १३२५ साल, (१७ जुलाइ, १९१७ ईसवी)। शि:—बी. एस् सी (इंजि०) आनर्स; ए. एम. आइ, ई। व्य.–राजकीय सेवा, अभियन्त्रण-विभाग। प.–पत्नी श्रीअमरावतीदेवी, तीन पुत्र, एक कन्या। प्रथ.–"विद्यापतिक मृत्यु" कविता (१९४० ई०)। प्र.–कुमार, उपन्यास। संन्यासी, काव्य। विडम्बना, गल्पसंग्रह। अ. र.–बाभनक बेटी, उपन्यास, अनुवाद। ('मिहिर' मे क्रमशः प्रकाशित)। विप्रदास, उपन्यास, अनुवाद। किछु गल्प ओ कविता पत्र-पत्रिकादि मे मुद्रित। व. प.–कार्यपालक अभियन्ता, लोक-स्वास्थ्य-प्रमन्डल, गया। स्था. प.–ग्राम हरिपुर, बक्सी टोल, पो० कलुआही, जिला० दरभंगा।

ज्यो. श्रीविष्णुकान्तझा

व्य.–प्रसिद्ध ज्योतिषी, स्था. प.–चौहट्टा, पटना

श्रीउमानाथमिश्र

स्था. प.—कटिहार, पूर्णियाँ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सम्मेलन
क
विभागीय सभापति

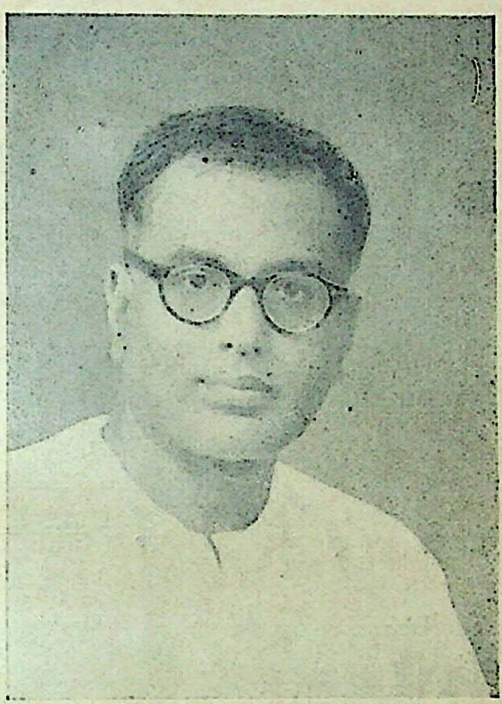

प्रो० श्रीहरिमोहनझा [कथा-विभाग]

श्रीवैद्यनाथमिश्र
[कविता विभाग]

डा० श्रीजयकान्तमिश्र
[नाटक-विभाग]

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

लेखकगण

पं० श्रीऋद्धिनाथझा, शारदापुर

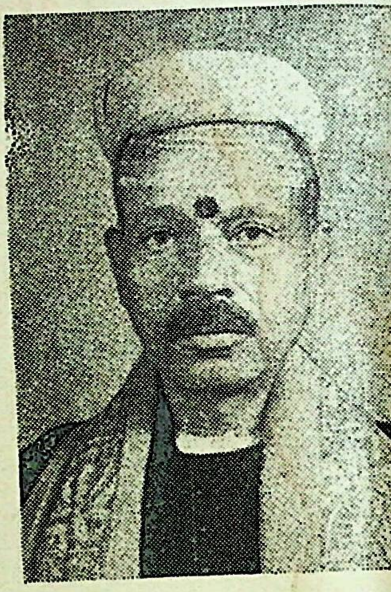

पं० श्रीत्रिलोकनाथमिश्र, दरभंगा

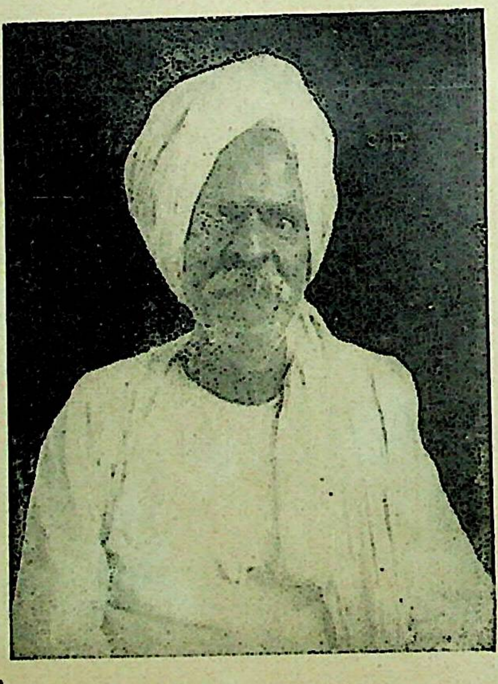

पं० श्रीशशिनाथझा, रांटी

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

वैदेही समिति, दरभंगाक पदाधिकारी

अध्यक्ष

म. म. डा. श्रीउमेशमिश्र

देखू पृ० २ ।

उपाध्यक्ष

प्रोफेसरश्रीसुरेन्द्रझा 'सुमन'

उ.—द्विरेफ, सुमन, ज.—१६१० ई., शि.-आचार्य, व्य.--अध्यापक, मिथिला कालेज, दरभंगा, शा. प्र.-गद्य, पद्य, कविता, आलोचना, आदि लौ. प्र.—संगीत, प्र.—स्वदेश, कथामुखी, प्रतिपदा, सावन-भादव, अर्चना, व. प.-स्वदेश कार्यालय, कटहलबाड़ी, दरभंगा, स्था. प.-ग्रा. पो. वल्लीपुर वाया मुक्तापुर, दरभंगा ।

कोषाध्यक्ष

श्रीशशिनाथझा

शि.--बी. ए. बी. एल्., स्था. प.—ग्रा. घमियापट्टी, पो० देवधा, वाया जयनगर, दरभङ्गा ।

मंत्री

प्रोफेसरश्रीकृष्णकान्तमिश्र

देखू पृष्ट ५ ।

सदस्य

डा० श्रीअमूल्यधनचटर्जी

स्था. प.—लालबाग, दरभङ्गा ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

प्रोफेसरश्रीसुरेन्द्रनाथझा

स्था. प.—प्राध्यापक, मिथिला कालेज, दरभंगा ।

श्रीरामकृष्णझा 'किसुन'

उ.–'किसुन', ज.—सुपौल, शि.—व्याकरण-शास्त्री, काव्यतीर्थ, साहित्य-रत्न, व्य.—अध्यापन, प.—पत्नी ओ तीन सन्तान, शा. प्र.–साहित्य अध्ययन, लौ. प्र.—साहित्यिक, विशेषतः मैथिलीक, संस्था सभमे अनुराग, प्रथ.–"शिशुऍं" (कविता) ३-४-१९४३ ई०, अ. र.-श्रद्धाञ्जलि (एकाङ्की-संग्रह), किछु कथा ओ कविता, स्था. प.—सुपौल जि० सहरसा।

प्रोफेसरश्रीभक्तिनाथसिंहठाकुर

उ.—सिंहठाकुर, ज.–भौर (राजग्राम) २-१०-१९२५ ई०, शि.–एम्. ए. (पटना विश्वविद्यालय), व्य.–अध्यापक, मिथिला कालेज, दरभंगा, प.–दू पुत्र एवं दू कन्या, शा. प्र.—कथा, कविता, आलोचना, गद्य, प्रथ.–अमर शान्ति (१९४३), स्था. प.-ग्रा० पो० भौर, वाया लोहट, दरभंगा ।

डाक्टरश्रीब्रजकिशोरवर्मा

शा. प्र.—कथा, कविता, नाटक, आलोचना, निबन्ध, इतिहास,आदि, लौ. प्र.—लोक-गीतक संकलन, यात्रा आदि, प्र.–त्रिधारा, अनेक स्फुट रचना, व. प.— ग्रा० - पो० वहेड़ा, दरभंगा ।

श्रीचन्द्रनाथमिश्र 'अमर'

उ.—अमर, ज.—खोजपुर, ज्येष्ठ कृष्ण पड़ीव, १३३१ साल, शि.- व्याकरणाचार्य, व्य.—साहित्य-सर्जन, अध्यापन, पत्रकारिता, प.—पत्नी ओ दुइ कन्या, शा. प्र.—भाषा-विज्ञान, कविता, उपन्यास आदि, लौ. प्र.-व्यङ्ग्य - विनोद, प्रथ. - चश्मा (१९४० ई०), प्र. - गुदगुदी (कविता) १९४६, त्रिफला (कथा, प्रहसनादि) १९५०, वीर कन्या (उपन्यास) १९५१, युगचक्र (कविता) १९५३, समाधान (प्रहसन) १९५५, मुहावरा ओ लोकोक्ति १९५४, सम्पा. — पंचायती राज (साप्ताहिक),

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

निर्माण (साप्ताहिक), वैदेही (मासिक ओ पाक्षिक), स्वदेश (दैनिक), अ. र.—विदागरी (उपन्यास); बारह मास (कविता); चुटकी (गल्प); कैलासमे टी-पार्टी आदि प्रहसन; सफलता (नाटक); किछु निबन्ध, व. प.- महारानी लक्ष्मीवती अकादमी, लहेरियासराए, स्था. प.—ग्राम खोजपुर, डा० जटई, जि.—दरभंगा ।

श्रीसुधांशु'शेखर'चौधरी

शा. प्र.-कथा, कविता, नाटक आदि, प्र.-जयमाला, निकम्मा, तमाशा आदि, अनेक स्फुट रचना, स्था. प.-मिसरटोला, दरभंगा ।

लेखकगण

अनन्तविहारीलालदास

उ.-'इन्दु' ज.-करमौली, श्रावण शुक्ल द्वितीया बुध, १९८५ वि०, शि.-मैट्रिक (१९४५), हिन्दी-साहित्यहि-भूषण (१९४६), व्य.-लेखनकला, आकाशवाणी मे मैथिली-कार्यक्रम-प्रसारण, प.—पत्नी श्रीविन्ध्येश्वरी देवी; पुत्र-श्रीउदयचन्द्र, श्रीपूर्णचन्द्र ओ श्रीप्रेमचन्द्र, शा. प्र.-कविता, गीत, नाटक, लौ. प्र.-खेती, फुल लगाएब, प्रथ.-जागरणगान कविता (१९५५), अ. र.-आठगोट एकांकी, सभ आकाशवाणीसँ प्रसारित, कविताक संग्रह, व. प.-आकाशवाणी, पटना, स्था. प.--निशीथिनी करमौली, डा० कंसी सिमरी (दरभंगा) ।

अमर—देखू चन्द्रनाथमिश्र पृ० १० ।

अमरनाथ

उ.—दीपक, अष्टावक्र, ज.—नेहरा (दरभंगा) १९२९ ई०, शि.—स्कूलमे अंग्रेजीक शिक्षा, व्य.—पहिने जमिन्दारी आब खेती, प्र.-छोटकी काकी आदि अनेक स्फुट गल्प, स्था. प.-गाम पो० नेहरा (दरभंगा) ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitizagtion by eGangotri

अमरनाथझा

व्य.–अध्यापन (अध्यापक) व. प.–प्रोफेसर, मैथिली विभाग, चन्द्रधारी मिथिला कालेज, दरभंगा, स्था. प.–नवटोल, पो० सरिसवपाही (दरभंगा)।

अमरनाथठाकुर

व्य.—अध्यापन (प्राध्यापक), व. प.—प्रोफेसर, अंग्रेजी-विभाग, लंगट सिंह कालेज, मुजफ्फरपुर।

अमरेशपाठक

शि.—मैथिलीमे एम्. ए. स्था. प.–सामरि, पो० महिसओथा, मुजफ्फरपुर।

अमृतधारीसिंह

व्य. एवं व. प.–प्रोफेसर, पटना विश्वविद्यालय, पटना।

आद्याचरणझा

ज.—मँगरौनी, आषाढ़ कृष्ण एकादशी, १९२०, शि.–व्याकरणाचार्य, साहित्याचार्य, विशारद, मैट्रिक (अँगरेजी), बी. ए. (केवल हिन्दी), व्य.–अध्यापन, प.–पत्नी, तीन बालक, चारि कन्या, शा. प्र.–निबन्ध-लेख, प्रथ.–"बसू झट आबि मिथिलामे" शीर्षक कविता, मिहिर १९३७ ई. अ. र.–निबन्ध-संग्रह व. प.– हेडमास्टर, राजकीय संस्कृत हाइ स्कूल, छपरा, स्था. प.— ग्राम - पो० मँगरौनी (दरभंगा)।

आनंद—देखू 'परमानंदझा'।

आनंदझा

ज.—सिंहवाड़ (दरभङ्गा), शि.—न्यायाचार्य आदि, व्य.—अध्यापन (एखन प्राध्यापक), प.–पत्नी श्रीपद्मादेवी, पुत्र मृत्युञ्जय ओ धनञ्जय, पुत्री अरुन्धती, वसुन्धरा, ऋतम्भरा, शा. प्र.–दर्शन, काव्य, नाटक, उपन्यास, प्रथ.—सीतास्वयंवर, नाटक, १९३० ई., प्र.–सीतास्वयंवर-नाटक, प्रबोधचन्द्रोदय नाटक, रसनिर्झरणी कविता, अ. र.–महाकवि विद्यापति (नाटक), एकादशी विद्यापतिक (व्याख्या), स्वर्णमन्दिर (उपन्यास),

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

संरक्षक

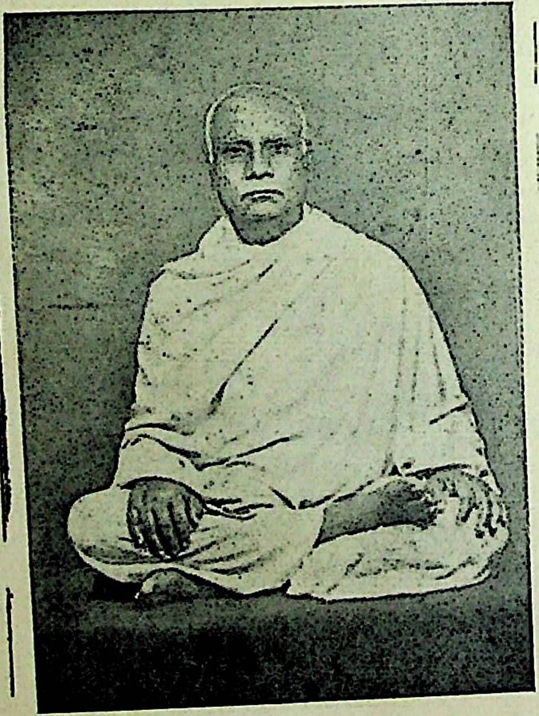

बाबूश्रीचन्द्रधारीसिंह, चन्द्रनगर ड्योढ़ी, रांची

विशिष्ट पोषक

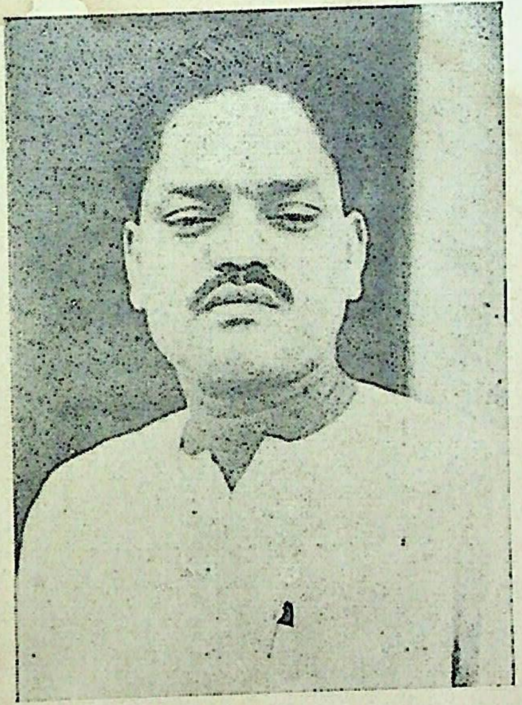

पं० श्रीहरिनाथमिश्र, मंत्री, स्वास्थ्य एवं आपूर्त्ति विभाग, बिहार सरकार, पटना

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

वैदेही समिति, दरभङ्गा
क
संरक्षक

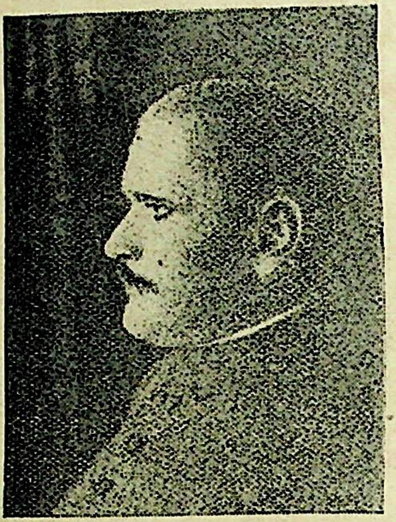

आचार्यश्रीरामलोचनशरण, पटना

आजीवन सदस्य

रायबहादुर श्रीसुशीलकुमारराय, ऐडवोकेट, मधुबनी

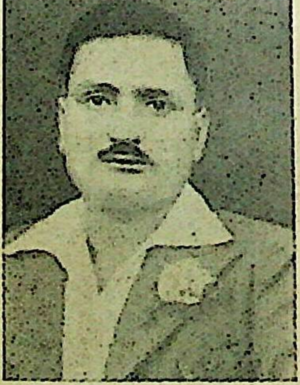

चौधरीश्रीजितेन्द्रनारायणझा, बहेड़ी

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

किछु निबन्ध, व. प.-प्राच्य-विभाग, लखनउ विश्व-विद्यालय, लखनउ, स्था. प.—ग्राम ओ डा० सिंहवाड़, जि० दरभङ्गा।

आरसीप्रसादसिंह

उ.-'आरसी', ज.-एरौत (जि० दरभंगा) १६ अगस्त १६११ ई., शि.-आइ. ए. द्वितीय वर्ष धरि, व्य.-साहित्य-सर्जना ओ प्रकाशन, शा. प्र.-कविता, गल्प, उपन्यास, प्रथ.—शेफालिका (कविता) १६३६ ई., अ. र.—कविता-संग्रह, व. प.—तारामंडल, राजेन्द्रपथ, पटना, स्था. प.-ग्राम एरौत, जि० दरभंगा।

'इंदु'—देखू (१) अनंतबिहारीलालदास (२) इंद्रानंदसिंह

इंद्रपतिसिंह

उ.—'श्यामानन्द', ज.—दरभंगा, २६-१२-१६१५ ई., शि.—घरहिपर संस्कृत ओ अंगरेजीक, तन्त्रशास्त्रक विशेष अध्ययन, व्य.-पहिने जमींदारी ओ आब खेती, प.—प्रथम पत्नी श्रीइन्द्रलतादेवी ओ द्वितीय पत्नी श्रीइन्द्रेश्वरीदेवी, पाँच पुत्र ओ दुइ पुत्री, शा. प्र.—तन्त्रशास्त्रक अध्ययन, वै. प्र.—तान्त्रिक अनुष्ठान, अ. र.—मिथिलाक संस्कृति, उपदेश-मुक्तावलि, चण्डी-चरितत्रय-रहस्य, स्था. प.-ग्राम पचही, डा० मधेपुर, जि० दरभंगा।

इंद्रानंदसिंह

उ.—इन्दु, ज.-सुलतानगंज, ३-७-१६३१ ई., शि.—एम. एस-सी., व्य.-कओलेजमे अध्यापन, प.-पत्नी ओ एक पुत्र, शा. प्र.-कविता, उपन्यास, लौ. प्र.—राजनीति, प्रथ.—'गीत मधुर हम गाबि रहल छी' (१६४७), अ. र.—पद्यसंग्रह, पिहानी-संग्रह, व. प.—प्राध्यापक, टी. एन. जे. कालेज, भागलपुर, स्था. प.-कृष्णगढ़, सुलतानगंज, भागलपुर।

उग्रानन्दसिंहझा

उ.—'गङ्गेश', ज.—चनौर (दरभंगा) १४ जुलाइ, १६३६ ई., शि.-आइ. ए., व्य.-स्नातक कक्षाक छात्र, प.-पत्नी ओ एक कन्या, शा. प्र.-

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

गल्प-रचना, प्रथ.—'पहन नहि देखल' (१४ जुलाइ, १९५१), अ. र.-राधेश्याम (उपन्यास), स्था. प.—चनौर, जि० दरभंगा।

उपेन्द्रठाकुर

ज.—माऊँ वेहट (दरभंगा) १९२६ ई. शि.—एम. ए.; डी. फ़िल्. (कल.) (इतिहास मे), व्य.-गवेषणा (मिथिला-विद्यापीठ मे), प.—पत्नी ओ एक वालक, शा. प्र.—कविता, इतिहास, प्रथ—उद्बोधन (कविता), प्र.-मिथिलाक इतिहास (अंगरेजी मे) अ. र.—किछु कविता ओ निबन्ध, स्था. प.—ग्राम, डा० माऊँ वेहट, जि० दरभंगा।

उपेन्द्रनाथझा

देखू पृष्ठ ८।

उमाकांतठाकुर

ज.—पसपूरा, ३-६-१९३० ई., शि—एम्. ए., पी-एच. डी. क रिसर्च स्कालर, व्य.-अध्ययन, गवेषणा, प.-पत्नी श्रीमती पार्वतीदेवी, व. प.-गवेषक, मिथिला-संस्कृत-विद्यापीठ, दरभंगा, स्था. प.—ग्राम पसपूरा, डा० बेगूसराए, जि० मुंगेर।

उमानाथझा

ज.-खड़रख (१-१-१९२३) ई., शि.-एम. ए. अँगरेजी साहित्य मे, व्य.-कओलेजमे अध्यापन, शा. प्र.—मनोवैज्ञानिक यथार्थवादक प्रभाव, स्थूल रूपें प्रयोगात्मकताक समर्थक, नवीनतम शैलीक गल्प-लेखक, लौ. प्र.-भ्रमणमे अनुरक्ति, सांस्कृतिक कार्य सभमे अभिरुचि, प्रथ.—प्रथम गल्प "मैथिली साहित्य-पत्र" क प्रस्तावित संग्रहक हेतु १९३८ ई० में (नष्ट), प्र.—रेखाचित्र, नवीन मैथिली-साहित्य (१९४४) क सम्पादन, अ. र.-कारेल चापेकक चेक नाटकक अनुवाद, व. प. — लंगट सिंह कालेज, मुजफ्फरपुर, स्था. प.-ग्राम महरैल, डा० झंझारपुर, जि० दरभंगा।

उमानाथमिश्र

देखू पृष्ठ - ८।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

उमानाथमिश्र

शि० – एम्. ए. स्था. प. – सतलखा, पो० हुसैनपुर, दरभंगा ।

उमेशमिश्र, म. म., डा०

देखू पृष्ठ – २ ।

उमेशमिश्र, एम. ए.

शि.–एम्. ए. (मैथिली), व. प.–द्वारा पं० श्रीबलदेव मिश्र, काशी प्रसाद जयसवाल इन्सटीच्यूट, पटना ।

ऋद्धिनाथझा

शारदापुर, भाद्र शुक्ल पञ्चमी बुध, १२६८ साल, शि.–आचार्य, धौत-परीक्षोत्तीर्ण, व्य.–अध्यापन, प.–पत्नी श्रीउग्रेश्वरी देवी; पुत्र श्रीशचीनाथ झा ; पुत्री श्रीमातङ्गी देवी ; पौत्र श्रीदुर्गानाथ झा ; शा. प्र.–अलङ्कार, काव्य, गीत, प्रथ.–लक्ष्मीवती गीताञ्जलि, प्र.–तिरहुति आदिक संग्रह, विश्वभूषण, अलङ्कार-शास्त्र, विश्वेश्वर-चम्पू काव्य, मिथिला बाल-विनोद बाल-साहित्य, अ. र – सती-विभूति, शब्दशक्तितरङ्गिणी, व. प.–प्रधानाध्यापक, महारानी रमेश्वरलता - विद्यालय, लोहना, डा० लोहना रोड, जि० दरभंगा, स्था. प – ग्राम शारदापुर, डा० मनीगाछी, जि० दरभंगा ।

कलेश—देखू काशीनाथठाकुर

कल्पना शरण

देखू श्रीमतीलीलीरे ।

काञ्चीनाथझा

उ.—किरण, व्य. अध्यापन, शा. प्र. कविता, आलोचना, कथा, नाटक आदि प्र. जय जन्म-भूमि, वीर प्रसून, चन्द्र ग्रहण आदि व. प.—अध्यापक, लक्ष्मीश्वर एकेडमी, पो० सरिसव पाही, दरभंगा स्था. प.– गा० धर्मपुर, पो०–लोहनारोड, दरभंगा ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitization by eGangotri

काशीकांतमिश्र

उ.– मधुप, ज. - आश्विनी पूर्णिमा १३१४ साल शि.– व्याकरण साहित्याचार्य, वेदान्त शास्त्री, व्य. - अध्यापन शा. प.– कविता प्र. – त्रिवेणी, शतदल, झंकार, टटका जिलेबी, कोवरगीत, अपूर्व रसगुल्ला, तृप्ति पिपासा व. प. — अध्यापक, जयानन्द हाइ स्कूल, वहेड़ा पो०, दरभंगा ।

काशीनाथठाकुर

उ. — कलेश व. प.—स्वदेश कार्यालय, कटहलबाड़ी, दरभंगा ।

किसुन—देखू रामकृष्णझा, वैदेही समितिक पदाधिकारी ।

कीर्त्यानन्दकुमर

प्र.—नाटक, व. प.—मेडिकल ऑफिसर, राजकीय चिकित्सालय, सरिसव, दरभंगा ।

कुलानन्द

उ.—'नन्दन' , शा. प्र.– गद्य, कथा, सम्पादन, व. प.– सम्पादकीय-विभाग, आर्यावर्त्त, पटना ।

कुलानन्दझा

शि.—एम्. ए., शा. प्र.—कथा, नाटक आदि, व. प.—सोशल एजुकेशन ऑरगेनाइजर, महेशमुंडा, हजारीबाग ।

कुलानन्दमिश्र

ज.—अग्रहण शुक्ल प्रतिपदा १३२० साल, शि.—व्या. आचार्य, (१९३६), मीमांसाचार्य (१९४०), व्य. – अध्यापन, प. – एक पुत्र तीन कन्या, शा. प्र. - कथा, आलोचना, लेख, गद्य, लौ. प्र. – नाटक, संगीत, प्रथ. – माधवी, प्र.– पनिभरनी, व. प.—वेसिक ट्रेनिंग स्कूल, नगरपारा पो० नारायणपुर, भागलपुर, स्था. प. – गा. पो. गजहरा, द्वारा खुटौना, दरभंगा ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

पं० श्रीबद्रीनाथझा, सरिसव

राजपं० श्रीवलदेवमिश्र, दरभंगा

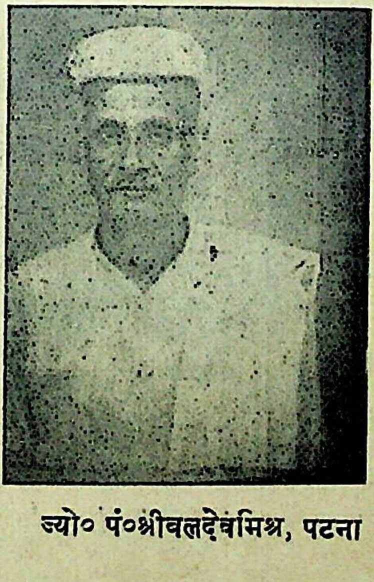

ज्यो० पं०श्रीवलदेवमिश्र, पटना

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

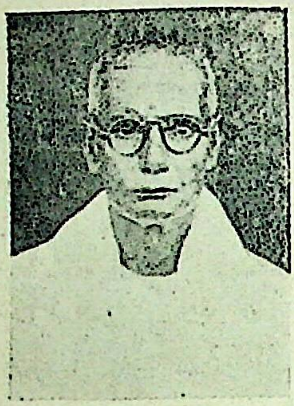

श्रीशिवानन्दचौधरी, रूपसपुर

श्रीइन्द्रपतिसिंह, पचही ड्योढ़ी

श्रीबच्चाठाकुर, बी०ए० रुचौल

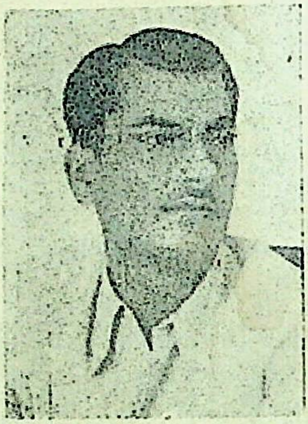

प्रो० श्रीउमानाथझा, मुजफ्फरपुर

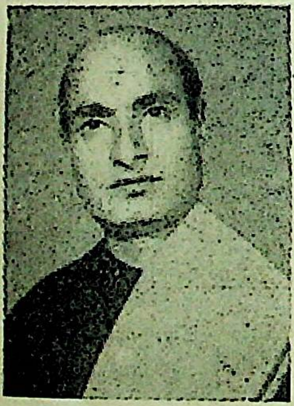

पं० श्रीआनन्दझा, लखनउ

पं०श्रीजीवनाथझा, जनकपुरधाम

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

कृष्णकुमारठाकुर

शि. – एम्. ए., व. प. – ५ औफ पोलो रोड, पटना।

क्षेमधारीसिंह

उ. – श्रीकरसाहेब, शि.—बी. ए., वेदान्त-विनोद, विद्याभूषण, व्य – पहिने जमिन्दारी, आब विश्राम, भूतपूर्व आनरेरी मैजिस्ट्रेट, प.—पत्नी श्रीमती राधादेवी, पुत्र श्रीबुद्धिधारीसिंह 'रमाकर' ओ श्रीजयधारीसिंह 'प्रभाकर', ओ पुत्री श्रीश्यामादेवी, शा. प्र.— आध्यात्मिक ओ दार्शनिक चिन्तन, प्र. – सांख्य-खद्योतिका, अ. र. – निबन्ध-चन्द्रिका, मनोविज्ञान, नीतिशास्त्र (Ethics), परातत्त्व (Metphysics), भारतीय दर्शन चयनिका, स्था. प.—मधुवनी डेओढ़ी, जि० दरभंगा।

गंगाधरमिश्र

उ.—जीवू, शि. – व्याकरणाचार्य, साहित्याचार्य, स्था. प.—साहित्य मन्दिर, लालबाग, दरभंगा।

गंगानन्दसिंह, कुमार

देखू पृष्ठ – ४।

गंगापतिसिंह

ज. – पचही १८६४ ई० शि. – बी. ए. व्य. – अवकाश - प्राप्त मैथिली अध्यापक, कलकत्ता विश्वविद्यालय, शा. प्र. – बाल-रचना, समाजिक लेख, उपन्यास, कथा, लौ. प्र. – संगीत प्र. – मैथिली-बाल-व्याकरण, जयचन्द्र-पराजय, स्था. प. – द्वारा प्रो० श्रीविद्यापतिसिंह, चन्द्रधारी मिथिला कालेज, दरभंगा।

गंगेश—देखू उग्रानन्दसिंहझा

गिरिधरझा

उ. – 'विकल' विशारद, ज. – मँगरौनी २२ अप्रैल, १९१२ ई० शि. – मैट्रिक, विशारद (प्रयागक), प. – स्त्री, एक पुत्री ओ एक बालक,

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitization by eGangotri

शा. प्र. – गल्प ; उपन्यास ; निबन्ध, प्रथ. – चमत्कार (कथा), अ. र. – किछु उपन्यास, गल्प ओ निबन्ध, स्था. प. – ग्राम पो० मँगरौनी, वाया मधुबनी , जि० दरभंगा ।

गोविन्दचौधरी

ज. — पिडारुछ, १७ मइ, १६०६ ई० , शि. – बी. एल. , व्य. –ओकालति , शा. प्र. —कविता, कथा, नाटक , लौ. प्र.— खेल - कूद , आखेट , प्रथ.— 'चुमाओन' १६३४ (मिथिलामोद) ; व. प. – बंगाली टोला , लहेरियासराय ।

गोविन्दझा

उ. प्रवासी (बड़ थोड़ रचनामे), ज.—इसहपुर, १० अक्टूबर, १६२३, शि. — व्याकरणाचार्य, साहित्याचार्य, अँगरेजीमे इंटरमीडिएट, मैथिली - साहित्य - रत्न , व्य. – राजकीय सेवा, अनुवादकार्य , प. – पत्नी श्रीसीतादेवी, पुत्री श्रीशीतलादेवी ओ श्रीअम्बिका देवी , शा. प्र. — भाषा - शास्त्रक अध्ययन ओ लेख , कहिओ - कहिओ गल्प, कविता ओ निबन्ध लिखब , प्रथ. – 'नीक कहाएब' समस्याक पूर्त्ति , (१९४०) ई० मे मैथिल महासभाक अवसरपर , प्र. – मालविकाग्निमित्र नाटकक अनुवाद (१६४०), अ. र. — मैथिली छन्दःशास्त्र (१६४३ - ४५), वीराङ्गना अनुवाद (१६४४), चित्राङ्गदा अनुवाद (१६४४), स्वप्नवासवदत्त अनुवाद (१६४६) , विस्व कविता-संग्रह (१६४२ - ४५), गल्प पत्र - पत्रिकामे प्रकाशित (१६५० - ५५), व. प. — अनुवाद – सहायक, अनुवाद - विभाग, सचिवालय, पटना, स्था. प. — गाम इसहपुर , डा० सरिसओ - पाही , जि० दरभंगा ।

गौरीशंकरप्रसाद

उ. - सोमदेव , ज. - नेओड़ी (दरभंगा), फाल्गुन शुक्ल एकादशी , १६३४ ई० , शि. - बी. ए., एम. बी. (होमियोपैथ) , व्य. - खेती , प. - माए , एक बालक , पत्नी श्रीमती कनकलताश्रीवास्तव , शा. प्र. - लोक -

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

साहित्य - रचना, लौ. प्र. - अभिनय, भ्रमण, लोकजीवनक अध्ययन, प्रथ. - 'पराती', १० अप्रैल १९५१, प्र. - लाल - एशिया (हिन्दी), अ. र. - गीत - गंगा (कविता, हिन्दी), चांदी की चूनर (कविता, हिन्दी), भोर के पहले (नाटक, हिन्दी), धूपका चेहरा (कथा, हिन्दी), नमकीन गोश्त (उपन्यास, हिन्दी), वि. – हिनक पितृभाषा ओ पत्नीक मातृभाषा भोजपुरी थिक, किन्तु अपन मातृभाषा मैथिली।

चन्द्रकुमारझा

ज. – सप्ता (दरभंगा) २ जनवरी, १९३० ई०, शि. – मैथिलीमे एम. ए. (पटना), व्य. – अध्ययन, शा. प्र. – निबन्ध, आलोचना, कविता, प्रथ. – 'मैथिली - लोकगीत' निबन्ध, १९५२ ई० 'मिहिर' मे प्रकाशित, अ. र. – मैथिली लोकसाहित्यक इतिहास, किछु निबन्ध ओ कविता, स्था. प. – गाम सप्ता (मधुबनी), दरभंगा।

चन्द्रनाथमिश्र, देखू पृष्ठ - १०।

चिरंजीलालझा

उ. - अन्ट - शन्ट, ज. - ८ दिसम्बर, १९१४ शि. - एम. ए. (हिन्दी १९५०), एम. ए. (अंगरेजी १९५६) एम. ए. आर. डी. एस. (लन्दन), व्य. - अध्यापन प. - तीन पुत्री एवं चारि पुत्र, शा. प्र.–कविता, चित्रकला, गद्य, लौ. प्र. - संगीत एवं चित्रकला, प्र.–चित्रकला के छः अंग, प्रयास के पंख, अ. र. - चित्रकला–मीमांसा, विश्वकी चित्रकला, व. प.— १०२, नयागंज, गाजियाबाद।

छेदीझा

उ. - द्विजवर, शा. प्र. - कविता, प्र. - छेदी-सतसई, स्था. प. – गाम–पो० बनगाम महिसी, सहर्षा।

जयकान्तझाबक्शी

शा. प्र.—सम्पादन, गद्य, इतिहास, पाठ्य–ग्रन्थावली आदि, स्था. प.— गा. हरिपुर (टोल बक्शी), पो० कलुआही, दरभंगा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

जयकान्तमिश्र, डा०

देखू—पृष्ठ ४ ।

जयदेवमिश्र

शि.—एम्. ए. (कलकत्ता विश्वविद्यालय) व्य.—अध्यापन, शा. प्र.—आलोचना, इतिहास, लौ. प्र.—संगीत, व. प.—२, स्ट्रैन्ड रोड, पटना, स्था. प.—गा. पो. कोइलख, दरभंगा ।

जयधारीसिंह

उ.—'प्रभाकर', ज.—मधुबनी, १६-६-१९२८ ई., शि.—गणितमे एम्. ए., मैथिलीमे एम्. ए., व्य.—अध्यापन, प.—पत्नी श्रीजयवतीदेवी; पुत्रीश्री विधुकलाकुमारी, शा. प्र.—समीक्षा, कविता, प्रथ.—'चोंचा' शीर्षक कविता, १९४६ ई., प्र.—अमर बापू, अ. र.—किछु आलोचनात्मक निबन्ध, प्रलाप, (कविता-संग्रह) ।

जयमंतमिश्र

ज.—हरिपुर १५-१०-१९२५ ई०, शि.—बी. ए. (आनर्स, स्वर्णपदक), एम. ए. (स्वर्णपदक), व्याकरणाचार्य, साहित्याचार्य, व्य.—अध्यापन, अ. र.—'मधुकर' 'ओ के' आदि कविता, व. प.—प्राध्यापक, लंगटसिंह कालेज, मुजफ्फरपुर, स्था. प.—हरिपुर, मजरही टोल, पो० कलुआही, दरभंगा ।

जितेन्द्रनारायणझा

शा. प्र.—कविता, कथा, गद्य आदि, व. प.—लक्ष्मीश्वर एकेडमी, पो. सरिसव-पाही, दरभंगा ।

जीव—देखू गंगाधरमिश्र

जीवनाथझा

उ.—'जीव', ज.—इसहपुर, डा० सरिसओ-पाही, १५-१-१९१० ई०, शि.—व्याकरणाचार्य, साहित्याचार्य, काव्यतीर्थ, विद्याभूषण, साहित्य-वाचस्पति, व्य.—अध्यापन, प.—पत्नी श्रीश्यामादेवी, पुत्री श्रीकामाख्यादेवी,

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प्रो० श्रीधनेश्वरझा, साहिबगंज

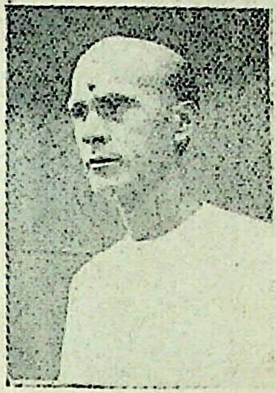

प्रो० श्रीसीताराममिश्र, बुलन्दशहर

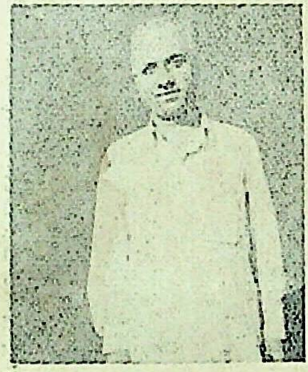

श्रीगोविन्दचौधरी, लहेरियासराय

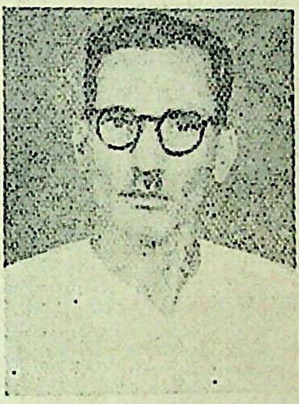

श्रीश्यामबिहारीदास, लोहट

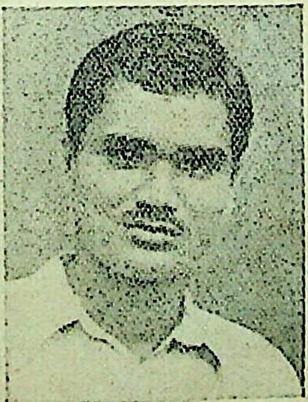

श्रीउमाकान्तठाकुर, बेगूसराय

श्रीचन्द्रकुमारझा, सप्ता

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

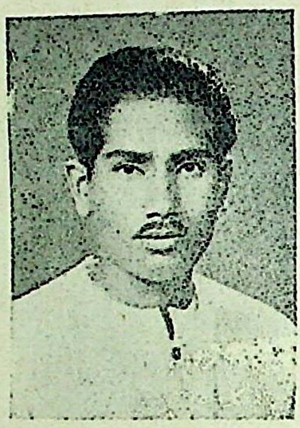

श्रीराधानन्दनझा, लखनौर

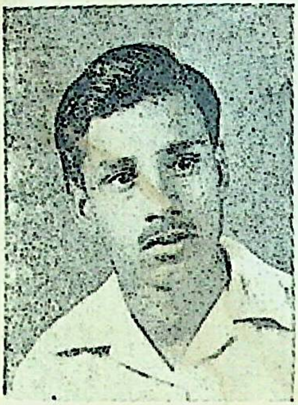

श्रीआनन्दबिहारीलालदास, 'इन्दु' पटना

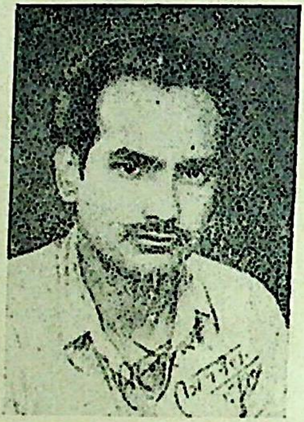

श्रीमणीन्द्रराजकमल, सहर्षा

श्रीरत्नेश्वरझा, पटना

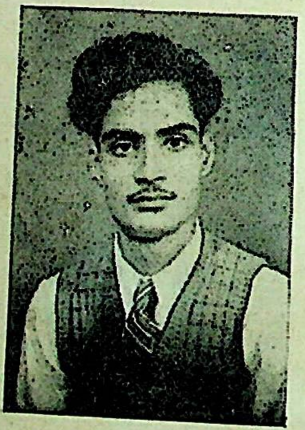

श्रीललितेशमिश्र, दरभंगा

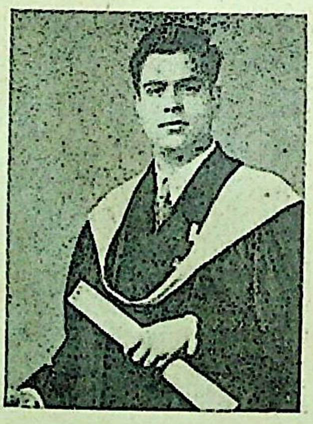

श्रीपरमेश्वरमिश्र, हरिपुर

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

श्रीगुणवतीदेवी, श्रीमानादेवी, श्रीशान्तिदेवी, पुत्र श्रीशम्भुनाथझा, श्रीहीरानाथझा, शा. प्र.—संस्कृत ओ मैथिलीक काव्य-निर्माण, लौ. प्र.—सभा-समितिक संघटन, प्रथ.—'कल्पना', प्र.—कल्पना, कविता-संग्रह, रावण-वध-महाकाव्य (१९५५), अ. र.—वीर नरेन्द्र, एकाङ्की गुच्छ, कसौटी, निबन्धावली, जल्पना, दोषाकर, व. प.—राजकीय संस्कृत महाविद्यालय, जनकपुरधाम, डा० जयनगर, जि० दरभंगा, स्था. प.— गाम इलहपुर, डा० सरिसओ-पाही, जि० दरभंगा।

जीवानन्दठाकुर

व्य.—सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, राज पुस्तकालय, शा. प्र.—अनुवाद, लोककथा, लोकगीत, प्र.—मैथिल डाक, भास नाटकावली, अभिशेष, व. प.—राज पुस्तकालय, दरभंगा।

तन्त्रनाथझा

ज. - उजान (१९१० ई०), शि. - एम. ए. व्य. - अध्यापन शा प्र.- अनुवाद, कथा, कविता आदि प्र.- कीचकवध, एकांकी-चयनिका, हितोपदेशसार आदि व. प. - चन्द्रधारी मिथिला कालेज, दरभंगा।

तिलकेश्वर चौधरी

शा. प्र. - १९४४ सँ मैथिलीमे प्रकाशन-प्रवृत्ति, व. प. - कार्यालयाध्यक्ष, वैदेही समिति, दरभंगा, स्था. प. - गाम-चानपूरा, पो० बलैठ, दरभंगा।

तेज़नाथझा

ज. - पाहीटोल, आश्विन कृष्ण १३ शनि, १३२१ साल, शि. - व्याकरणाचार्य, साहित्याचार्य, पुराणशास्त्री, मैट्रिक, विद्यालंकार, व्य.— पूर्वमे अध्यापन, एखन खेती ओ ग्रन्थलेख, प. - पत्नी श्रीश्यामादेवी, पुत्र श्रीकालीनाथझा, ओ श्रीकलानाथझा, पुत्री श्रीशान्तादेवी, श्रीइन्दिरादेवी, श्रीविद्यावतीदेवी ओ श्रीकान्तिमतीदेवी, शा. प्र. - व्याकरण, कथा, कविता, प्रथ. - कुमारसम्भव (१३४७ साल), प्र. - नरोत्तम, कथा-काव्य, साहित्य मञ्जरी, शिशु-साहित्य, साहित्य-विनोद, इतिहास - विनोद, नेनाक

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अपन पोथी, किछु कर्मकाण्ड सम्बन्धी ग्रन्थ, यथा पद्धति, व्रतकथा, आदि, अ. र. – कुमारसम्भव, रचना - कौमुदी, कवितावली गल्पगुच्छ पञ्जी - प्रबन्ध, दायभाग, स्था. प. – गाम पाहीटोल, डा० सरिसव - पाही, जि० दरभंगा ।

त्रिलोकनाथमिश्र

प्र. — जीमूतवाहन नाटक, स्था. प.— प्रिन्सिपल, महारानी रमेश्वरीलता संस्कृत महाविद्यालय, दरभंगा ।

दामोदरझा

प्र.— गान्धर्व-विवाह-नाटक, स्था. प.– ठाढ़ी, पो० अन्धरा ठाढ़ी, दरभंगा ।

दामोदरझा

स्था. प. – प्राध्यापक, चन्द्रधारी मिथिला कालेज दरभंगा ।

दामोदरठाकुर

शि.— एम. ए. (१९४४), व्य.– अध्यापन, लंगटसिंह कालेज, मुजफ्फरपुर, शा. प्र. – कथा, आलोचना स्था. प. — द्वारा श्रीपुष्करठाकुर, गा० पो० सिंहवाड़, दरभंगा ।

दीनेश्वरझा

उ. — दीन , स्था. प. — नयाटोला श्रीखन्डी भीट्ठा, पो० भीट्ठाबाजार मुजफ्फरपुर ।

दीपक-देखू (१) भवनाथझा (२) अमरनाथ (३) जगदीप नारायण चौधरी

दुर्गानाथझा

उ. – 'श्रीश', ज. – बिट्ठो, १३३६ साल , शि. – एम. ए., डिप. इन. एड. , व्य. – अध्यापन, प. – पत्नी, शा. प्र. – काव्य ओ गणित, प्रथ. — अतीतं - गीत, २१ अगस्त, १९४६, अ. र. — गोट पचासेक कविता, उमर खैयामक अनुवाद , चित्रांगदाक अनुवाद , किछु कथा ओ

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आलोचना, व. प.—कपिलेश्वरस्थान, दरभंगा, स्था. प. – गाम बिट्ठो, डा० सरिसओ - पाही, जि० दरभंगा।

द्विजवर—देखू छेदीझा

धनेश्वरझा

ज. — सत्ता (मधुवनी) जनवरी, १६२३ ई०, शि.— एम ए. (हिन्दी ओ मैथिलीमे); व्य. – अध्यापन, प. – पत्नी, दुइ पुत्र, शा प्र. – कथा, आलोचना, प्रथ. – 'सात संस्मरण' (अक्टूवर, १६५५), व. प. – प्रोफेसर, साहिबगंज कालेज, साहिबगंज, (सन्थाल परगना), स्था. प. – ग्राम सत्ता, डा० मधुवनी, जि० दरभंगा।

धीरेश्वरझा

उ.—'धीरेन्द्र', ज.—लोहना (दरभंगा), १४ जु. १९३४ ई०, शि.—बी. ए. (आनर्स), व्य.—लेखन, प.—पत्नी श्रीसाधनादेवी, शा. प्र.—गल्प, प्रथ.—सभ्यलोक (गल्प), १९५३, प्र.—'पाँच हजार' (गल्प-संग्रह) १६५३, अ. र.—उपन्यास छओ गोट, गल्प १४ गोट, नाटक दुइ गोट एकाङ्की दुइ गोट, कविता-संग्रह दुइ गोट आदि, सभ मिलाए, तेंतीस गोट ग्रन्थ, स्था. प.—ग्राम लोहना (पश्चिम), डा० सरिसव-पाही (दरभंगा)।

नगेन्द्रकुमार

ज.—२-१-१६१३ ई०, शि.—बी. ए. ऑनर्स (पटना); सर्टिफिकेट, अन्तर्राष्ट्रिय अध्ययन (लंडन); वैरिस्टर-ऐट-लॉ (लिंकन्स इन), व्य.—राजकीय सेवा, सम्पर्क अधिकारी, कोशी योजना, प.—पत्नी श्रीप्रतिमादेवी, दुइ बालक ओ एक कन्या, शा. प्र.—गल्प, संगीत, प्रथ.—मिथिला डिरेक्टरी (प्रथम खण्ड : पुरैनिआँ), १६४६, प्र.—मिथिला डिरेक्टरी, १६४६, ससरफानी, गल्प-संग्रह (१६४७), दृष्टिकोण, गल्प-संग्रह (१६५४), शिकार, गल्प-संग्रह (१९५५), फलेना जामुन, गल्प-संग्रह (१६५५), स्वर-वितान (विद्यापति-संगीत) (१६४६), अ. र.—प्रवास-मिलन

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

(युरोप-यात्रा), नव प्रभात (उपन्यास), बाबाजीक बेल (गल्प-संग्रह), व. प.— भारतीय राजदूतावास, काठमांडू, नेपाल ।

नंदन—देखू कुलानंद ।

नरेन्द्रनाथदास

शा. प्र.—आलोचना, गद्य, आदि, प्र.—विद्यापति-काव्यालोक, मैथिली-कीर्तनियां-नाटक, स्था. प.—गा. पो. सखवार, वाया मनीगाछी, दरभंगा ।

पद्मानंदठाकुर

उ.—"राजा" ज.—कुँआड़ी, ६-१-१९३२, शि.—एम. ए. (मैथिलीमे); बी. एल्., प.—पत्नी श्रीमतीइन्दूदेवी, शा. प्र.—आलोचना, प्रथ.—विद्यापति ओ कीट्स, अ. र.—मिथिला भाषाक बाल्मीकि—कविवर चन्दाझा. स्था. प.—कुँआड़ी गोला, थाना धमदाहा, पुरैनियाँ ।

परमाकांतचौधरी

शि.—एम. एस. सी., व्य.—प्रिंसिपल, बी. एस. कालेज, दानापुर, शा. प्र.—लेख, गद्य, गवेषणात्मक लेख, स्था. प.–गा. चानपूरा पूबारी टोल, पो. बसैठा-चानपूर, द्वारा कमतौल, दरभंगा ।

परमानंदझा

उ.—आनन्द, ज.—दामोदरपुर, २-१-१९२७, शि.—एम. ए. (तीन विषयक), साहित्याचार्य, विशारद, व्य.—अध्यापन, शा. प्र.—निबन्ध, आलोचना, प्रथ.—'समाज ओ साहित्य' निबन्ध, प्र.—मित्रलाभ-दर्पण, अनुवाद, अ. र.—रत्नावली नाटिका, चन्द्रावली नाटिका, स्था. प.—ग्राम दामोदरपुर, डा० बेनीपट्टी, जि० दरभंगा ।

परमानंदनशास्त्री

उ.—आनन्द, माढ़व, आचार्य, ज.—चिकनौटा, ३-३-१९१८ ई०, शि.—संस्कृतक अध्ययन, व्य.—पत्रकार, प.—एक पुत्री, शा. प्र.—गद्य, आलो-

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

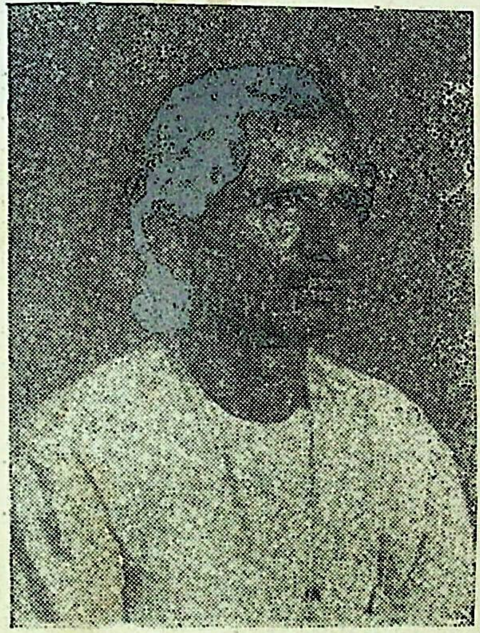

कविचूड़ामणिश्रीकाशीकान्तमिश्र 'मधुप'

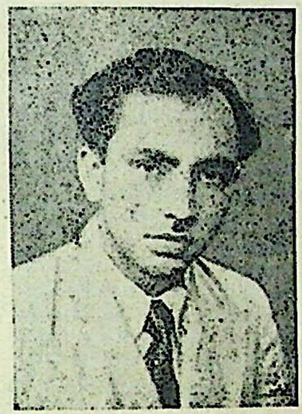

प्रो० श्रीरमाकान्त, जमशेदपुर

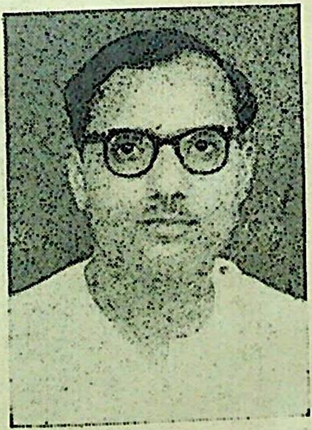

प्रो०श्रीशैलेन्द्रमोहनझा, चाइबासा

प्रो०श्रीपरमानन्दझा, दरभंगा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

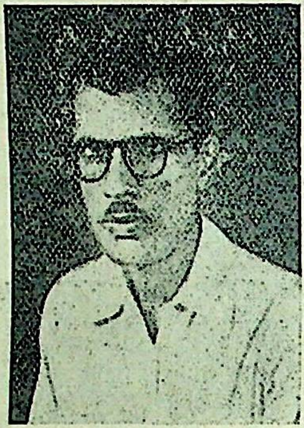

श्रीगिरिधरझा 'विकल', दरभंगा

श्रीलक्ष्मीपतिसिंह, पटना

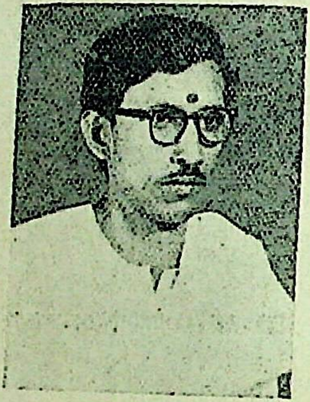

श्रीचन्द्रनाथमिश्र 'अमर', दरभंगा

श्रीराघवाचार्यशास्त्री, :भीठभगवानपुर

श्रीमनमोहनझा, सरिसवपाही

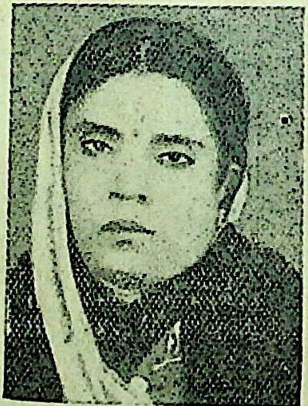

श्रीमतीलक्ष्मीवतीदेवी 'लीला', पटना

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

चना आदि, प्र.—अनेक संस्कृत ग्रन्थ अनूदित, मैथिली एवं हिंदीमे अनेक लेख, व. प.—आर्यावर्त्त प्रकाशन मन्दिर, फ्रेजर रोड, पटना-१।

परमेश्वरमिश्र

ज.—हरिपुर, ज्येष्ठ कृष्ण तृतीया, १३४० साल (जून, १९३३ ई०), शि.—बी. ए., व्य.—अध्ययन, एम. ए. ओ बी. एल. वर्गमे, प.—पत्नी श्रीमती कादम्बरीदेवी, शा. प्र.—गल्प, नाटक, कविता, प्रथ.—'प्रसाद'शीर्षक कविताक अनुवाद, १९४६ ई०, प्र.—उपहार, गल्प-संग्रह, (१९५०), त्रिवेणी, एकांकी संग्रह (१९५०), कओलेजक छात्र, नाटिका (१९५१), अ. र.—साहित्यिक समीक्षा, मैथिलीक कहबी, पांच सएसँ उपर कहबीक संग्रह, पूर्णिमा, (नाटक), कवि-कोकिल, (नाटक), किछु कविता, गल्प ओ आलोचनात्मक निबन्ध, व. प. – गजाधर-मन्दिर, स्नाकोत्तर-छात्रावास, नयाटोला, पटना-४, स्था. प.—ग्राम हरिपुर, डा० लोहट, जि० दरभंगा।

प्रभाकर—देखू जयधारीसिंह

प्रलयङ्कर—देखू यदुनन्दनशर्मा

प्रवासी—देखू गोविन्दझा एवं विजयनारायणझा

बच्चाठाकुर

ज. – रुचौल (दरभंगा) १२ अप्रैल, १९०६ ई., प. – पुत्र श्रीरामरच्छरूपठाकुर बी. काम, श्रीरामरच्छाठाकुर बी. ए. आदि, शा. प्र. – आलोचना, साहित्य ओ धर्मग्रन्थक अनुशीलन, अ. र. – मीराक चरित्र, शाण्डिल्यभक्ति सूत्रपर मैथिली भाष्य, श्रीरघुवरगुण दर्पण, स्था. प.—ग्राम रुचौल (मोकरमपुर), डा० पण्डौल, जि० दरभंगा।

बदरीनाथझा

ज. – सरिसव, माघ शुक्ल द्वितीया बृहस्पति सन १३०० साल (१८९३ ई.), शि. – व्याकरणतीर्थ (कल.), काव्यतीर्थ (कल.), कविशेखर (भारत-धर्म-

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitized by eGangotri

महामण्डल, काशी), साहित्यमहोदधि (अयोध्या-विद्वत्समिति), व्य.–अध्यापन (सम्प्रति विश्राम), प.–पुत्र एक, पुत्री दुइ, शा. प्र.–काव्य-रचना, ग्रन्थ सम्पादन, प्रथ.–एकावली-परिणय, प्र.–एकावली-परिणय, महाकाव्य, मैथिली-गीतरत्नावली, अ. र.–मैथिली संस्कृत शब्दकोष, स्था. प.–सरिसव, डा० सरिसव-पाही, जि० दरभंगा।

बलदेवमिश्र, राजपण्डित

शि.–काव्यतीर्थ, व्य.–पुस्तकालयाध्यक्ष संस्कृत विभाग, राजपुस्तकालय शा. प्र.–लेख, गद्य, स्था. प.–ग्राम हरिपुर डीहटोल, पो० कलुआही, दरभंगा।

बलदेवमिश्र

शि.–ज्योतिषाचार्य, प्र.–संस्कृति, चन्द्राभा, गप्प-शप्प विवेक, रामायण-शिक्षा आदि, व. प.–काशीप्रसाद जयसवाल रिसर्च इन्स्टिच्यूट, पटना।

बहेड़—देखू राधाकृष्णझा

बालगोविन्दलाल

ज.–चिचरी (राजनगर) १०-११-१९३२ ई., शि.–बी. ए., प.–पत्नी ओ एक पुत्री, शा. प्र. कविता, अ. र.–फूल-शूल, (कविता-संग्रह), स्था. प.–चिचरी (राजनगर), जि० दरभंगा।

बुद्धिधारीसिंह

उ.–रमाकर, ज.—मधुबनी (दरभंगा) आश्विन शुक्ल अष्टमी, १३२७ साल, शि.–घरहिपर मैथिली-साहित्यक उच्च अध्ययन, व्य.–कओलेजमे अध्यापन, पहिने जमीन्दारी, प.–पत्नी श्रीवसुमतीदेवी ; पुत्र श्रीकुलधारीसिंह ओ श्रीभवधारीसिंह ; पुत्री श्रीइन्दुकला, श्रीकांचकला, शा. प्र.–समीक्षा, कविता-रचना, अध्यापन, भाषण, प्रथ.–अर्चना कविता (१९४१ ई.) प्र.—आवेश, कविता-संग्रह, अमरबापू, कवितासंग्रह, प्रयास (अनुवाद-

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

गल्प), अ. र. – भावना, कविता-संग्रह, मधुमती, कविता-संग्रह, चपक, कवितासंग्रह, साधना, गल्प-संग्रह, किछु समीक्षात्मक निबन्ध, व. प. – प्राध्यापक, रामकृष्ण कालेज, मधुवनी (दरभंगा), स्था. प. – मधुवनी डेओढ़ी, जि० दरभंगा ।

वेचनझा

शि.– साहित्याचार्य, व्याकरण-तीर्थ, एम् . ए. (संस्कृत) एम् . ए. हिन्दी, व्य.—अध्यापन, व. प. – संस्कृत-व्याख्याता, पटना कालेज, पटना ।

भक्तिनाथसिंहठाकुर

अ. – सिंहठाकुर, ज. – भौर– राजग्राम २-१०-१९२५ ई०, शि.– एम. ए. (हिन्दी), व्य.– अध्यापन, प.– दू पुत्र दू कन्या, शा. प्र. – आलोचना, कथा, आदि, प्रथ.– अमर-शान्ति (१९४३), प्र. – अनेक फुटकर आलोचनात्मक निबन्ध एवं मौलिक कथा, व. प.– प्राध्यापक, चन्द्रधारी मिथिला कालेज, दरभंगा, स्था. प. – गा० पो० भौर द्वारा लोहट, दरभंगा ।

भवनाथझा

उ. — दीपक, ज. — लालगंज आश्विन कृष्ण अष्टमी वृहस्पति सन् १३३३ साल, शि.— व्याकरणाचार्य, साहित्यशास्त्री, न्यायशास्त्री, हिन्दी साहित्य रत्न, मैथिली साहित्य रत्न, व्य.— ग्रन्थ लेखादि, शा. प्र.– कविता, प्र.— कल्पना (कविता संग्रह), विद्यापति (एकाङ्की), अ. र.– विक्रमोर्वशीय (अनुवाद), वीरप्रताप (अनुवाद), व. प. — आर्यावर्त्त प्रकाशन - मन्दिर, इन्डियन नेशन प्रेस, पटना – १, स्था. प.— लालगंज, डा० सरिसव-पाही, जि० दरभङ्गा ।

भोलालालदास

ज.— माघ कृष्ण त्रयोदशी, १३०१ साल, शि.– बी. ए., एल. एल. बी., व्य.— पूर्वमे ओकालति ; सम्प्रति प्रकाशक, शा. प्र.— निबन्ध आदि, लौ. प्र.— सामाजिक ओ साहित्यिक संस्थासँ अनुराग, प्र.— व्याकरण-प्रबोध आदि अनेकानेक पाठ्यग्रन्थक रचना ओ संकलन, मिथिला (पुस्तक

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

भंडार) भारती (मित्रमंडल), विशे. — १९३३ सँ नओ वर्ष धरि मैथिली - साहित्य - परिषद्क प्रधान मन्त्री, व. प. — सिद्धार्थ - प्रेस, पटना ३,

मणिपद्म—देखू व्रजकिशोरवर्मा पृष्ठ १०।

मणीन्द्रचौधरि

उ.— राजकमल, ज. — रामपुर, ६ - १२ - १९२९ ई०, शि.— बी. ए., व्य.— राजकीय सेवा, लेखन, प. – पत्नी श्रीशशिराजकमल, शा. प्र. – गल्प, कविता, रिपोर्ताज आदि, प्रथ. – सुशीलादाइ, गल्प (अप्रैल, १९४२); अ. र.– गल्प–संग्रह (अंशतः पत्रपत्रिकामे प्रकाशित), विचित्रा, (कविता-संग्रह), व. प. – आश्रमलेन, पटना - ४, स्था. प.— महिषी, जि० सहरसा,

मधुप—देखू काशीकांतमिश्र

मनमोहनझा

ज. – सरिसबो (दरभंगा), ११-१०-२०, शि.– बी. ए.; बी. एल, व्य. - अध्यापन, खेती, प. – पत्नी श्रीमोहिनी देवी; पुत्र श्रीहेमनाथ, श्रीनेत्रनाथ; पुत्री श्रीप्रतिमा, श्रीसीता, श्रीविजया, शा. प्र. – गल्प, उपन्यास ओ कविताक दिसि, लौ. प्र. – साहित्यिक समारोहमे रुचि; प्र. – अश्रुकण, गल्प-संग्रह (१९५०), संचयिता, गल्प-संग्रह, (१९५३), अ. र.–किरण, गद्यकाव्य (अंशतः मिहिरमे प्रकाशित), विभूति, उपन्यास, गल्प-संग्रह, 'मिथिलाक निशापुरमे', हालावादी खंड काव्य, स्था. प. – गाम – पो० सरिसबो, जि० दरभंगा।

महेश, प्रो.

व. प. – अध्यापक, सरस्वती स्कूल, लहेरियासराय, दरभंगा।

मायानन्दमिश्र

ज. —बनैनयाँ (डा०), सहरसा, शा. प्र.– कथा – साहित्य, लौ. प्र. –

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

श्रीयोगानन्दझा, पटना

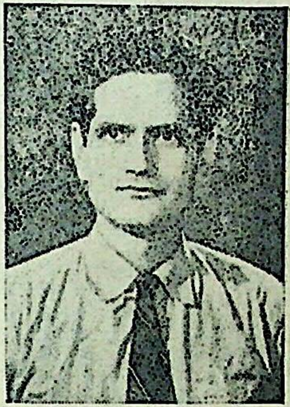

श्रीनगेन्द्रकुमार, काठमान्डू

पं०श्रीकुलानन्दमिश्र, नगरपारा

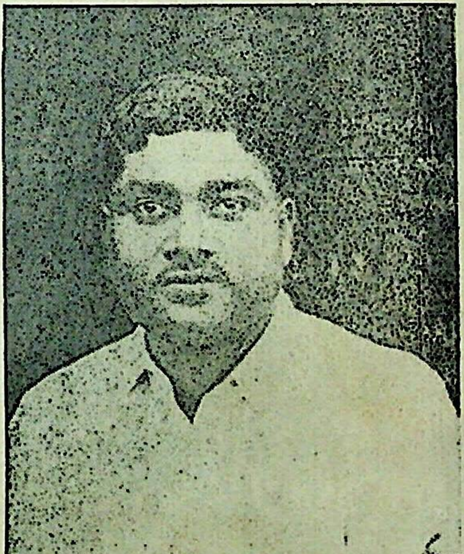

प्रो०श्रीबुद्धिधारीसिंह 'रमाकर'

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

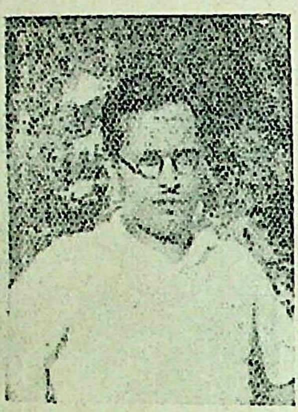

श्रीवेदानन्दझा, एम० ए०, छपरा

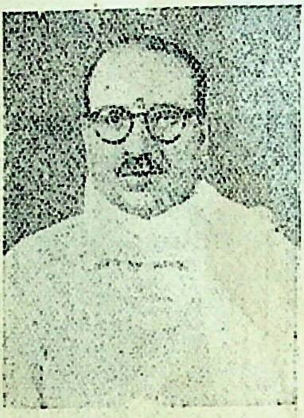

पं० श्रीआद्याचरणझा, छपरा

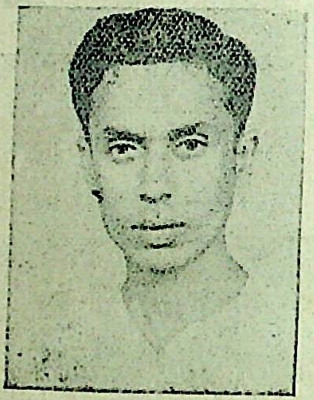

श्रीरामकृष्णझा सुपौल

श्रीगोविन्दझा, पटना

प्रो० श्रीइन्द्रानन्दसिंह, भागलपुर

प्रो० श्रीनवीनचन्द्रमिश्र, दरभंगा

Dr. Ganga Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

परिभ्रमण, प्रथ — "भ्रम" (कविता) १९५० ई०, प्रका.—माडक लोटा (कथा) (वैदेही समितिक प्रकाशन), अ. र.– तिरवेनी (उपन्यास), बिहाडि, पात आ' पाथर (उपन्यास), तमाकुलक चटुआ (कथा), स्था. प.— गाम ओ डाकघर बनैनियाँ, जि० सहरसा ।

यदुनन्दनशर्मा

उ.— प्रलयङ्कर, व्य. — सम्पादन, शा. प्र. – कविता, कथा, आलोचना, इतिहास आदि, व. प. – सम्पादकीय विभाग, आर्यावर्त्त, पटना, स्था. प.– शुभंकरपुर, दरभंगा ।

यात्री—देखू वैद्यनाथमिश्र पृष्ठ-३ ।

युगेश्वरझा

शि.—एम्. ए. (मैथिली), व्य.—अध्यापन, व. प.—अध्यापक, सूड़ी हाइ स्कूल, मधुवनी, दरभंगा ।

योगानन्दझा

ज.—१९२१ ई०, शि.—एम. ए., व्य.—भू. पू. अध्यापक, मिथिला कालेज, दरभंगा; आब विहार सिविल सर्विस एकजक्यूटिव ब्राञ्च, शा. प्र.—कथा, आलोचना, नाटक, प्र.—भलमानुष, अ. र.—इन्द्रजाल (उपन्यास), व. प.—प्राइवेट सेक्रेट्री, स्वास्थ्य-मंत्री, विहार सरकार, पटना, स्था. प.— गा० पो० कोइलख, दरभंगा ।

रघुनाथप्रसादमिश्र

उ.—'पुरोहित', ज.—फर्रुखाबाद (उत्तर प्रदेश), १ जनवरी, १९०० ई०, शि.—साहित्यमनीषी, साहित्यभूषण, आयुर्वेद शास्त्री, व्य.—साहित्य रचना ओ प्रकाशन, प.—पत्नी ओ एक पुत्र श्रीनरेन्द्रकुमारमिश्र, प्र.–"मैथिल बन्धु" (व्यवस्थापना) १९३५ सँ, नवजीवन सञ्चार (१९८९ वि०), मैथिल ब्राह्मण आस्पद संहिता (२००८ वि०), आदर्श जीवन (१९५२ ई०), जीवनक आदर्श (१९५६ ई०), किछु स्फुट निबन्धादि पत्र-पत्रिकामे प्रकाशित, स्था. प.— मैथिली-हिन्दी-साहित्य-कार्यालय, मैथिल बन्धु प्रेस, अजमेर ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitization by eGangotri

रत्नेश्वरझा

ज.—भिट्ठा सन् १३३७ साल, शि.—एम्. ए., शा. प्र.—गल्प, कथा, गद्य-काव्य, प्रथ.—वताहि (१६५५), प्र.—व्यवधान, प्रश्न मानवता का, अ. र.—अभिशाप, स्था. प.—पो० भिट्ठा वाया सुरसन्ड, मुजफ्फरपुर।

रमाकर—देखू बुद्धिधारीसिंह।

रमाकान्तझा

ज.—नवादा (दरभंगा), १६३१ ई०. शि.—एम्. ए. (हिन्दी), एम्. ए. (मैथिली), व्य.—अध्यापन, प.—पत्नी, एक पुत्री, शा. प्र.—भाषा शास्त्रीय अनुसंधान, कथा, आलोचना, निबन्ध, लौ. प्र.—पत्रलेखन, प्रथ.—गान्धी ओ समाजवाद ('मिहिर', १६४३), अ. र.—कथा-संग्रह (अंशतः पत्र-पत्रिकामे प्रकाशित), आलोचना (अंशतः पत्र-पत्रिकामे प्रकाशित), निबन्ध (अंशतः पत्र-पत्रिकामे प्रकाशित), व. प.—प्राध्यापक, को-आपरेटिव कालेज, जमशेदपुर, स्था. प.—गाम नवादा, बहेड़ा, जि० दरभंगा।

रमाकांतमिश्र

शि.—एम्. ए. (संस्कृत), व्य.—यू. पी. सिविल सर्विस, शा. प्र.—कथा, आलोचना, प्रथ.—हमर दोसर विवाह, कथा-संग्रह, व. प.—डिपुटी कलक्टर, रमइपट्टी, मिर्जापुर, यू. पी., स्था. प.—तीरभुक्ति, १, एलेनगञ्जरोड, इलाहाबाद।

राघवाचार्य

स्था. प.—गा. पो. भीठ भगवानपुर, दरभंगा।

राजकमल—देखू मणीन्द्रचौधरी

राजमोहनझा

स्था. प.—द्वारा प्रो. श्रीहरिमोहनझा, रानीघाट कार्टर्स, महेन्द्रू, पो. पटना–६।

राधाकृष्णचौधरी

देखू—पृष्ठ ४।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राधाकृष्णझा

उ.—बहेड़, ज.—बहेड़ा (दरभंगा), १५-८-१६२७ ई०, शि.—बी. ए., डिप. इन. एड., व्य.—स्कूलमे अध्यापन, प.—भाए, भाउजि, पत्नी, भतीजी, शा. प्र.—व्यङ्ग्य-विनोद, कविता-लेख, ग्रन्थ पढ़ब, लौ. प्र.—हास्य-विनोद, प्रथ.—पाखण्ड पुराण (१६४१), प्र.—पत्रपत्रिकादिमे कवितादि, अ. र.—धूपदीप, गल्प-संग्रह (१६४५-५४), गाम-घर, गल्प-संग्रह (१६४५-५४), फूल-पान, गल्प-संग्रह (१६४५-५४), कनैठी (कविता-संग्रह), मधुरी (कविता संग्रह), गोबरछत्ता (कविता-संग्रह), विद्यालय, नाटक (१६५६), व. प.—बहेड़ा, जि० दरभंगा, स्था. प.—बहेड़ा, जि० दरभंगा।

रामकिशोरझा 'विभाकर'

स्था. प.—मधुरा, पो० दीप, दरभंगा।

रामचरित्र पाण्डेय

ज.–लक्ष्मीपुर (पण्डौल), १-४-१६१६, शि.–बी. ए., डिप-इन-एड, व्य.–अध्यापन, जयानन्द, शा. प्र.–कविता, कथा आदि लौ. प्र.–ललित कलाक प्रेम, प्रथ.—सुखिया (१९५२, अगस्त), प्र.–नक्षत्र, कविता-संग्रह, व. प.–प्रधानाध्यापक, ज० उच्च-विद्यालय, बहेड़ा (दरभंगा), स्था. प.–ग्राम लक्ष्मीपुर, पो० पण्डौल, दरभंगा।

रामचन्द्रमिश्र

शि.–एम्. ए., पी. एच्. डी. व्य.–अध्यापन, शा. प्र.–गद्य, आलोचना प्रथ.–महाकवि विद्यापति, व. प.–छक्कालाल नाजीर स्ट्रीट, फरूखाबाद,

रामचन्द्रमिश्र

व. प.–रामकृष्ण कालेज, मधुबनी, दरभंगा।

लक्ष्मणझा डा०

व. प.—मिथिलाश्रम, बेला, दरभंगा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitization by eGangotri

लक्ष्मीपतिसिंह

उ.– 'दयापति', 'पथिक', 'सिंह', 'मिश्र', 'माना', ज.– मधेपुर १५ फरवरी, १९०७ ई०, शि.- बी. ए., व्य. - पत्रकारिता, ग्रन्थ सम्पादन आदि, प.- पत्नी श्रीमती लक्ष्मीवतीदेवी शा. प्र - गल्प, उपन्यास, निबन्ध, कविता, प्रथ. - 'छात्र-कर्तव्य' निबन्ध (१६३०), प्र. - हिन्दी मैथिली-शिक्षक (अजमेर) मिथिलाक संस्कृत विद्वान् (अजमेर) साँझ-परात (उपन्यास, अजमेर) सम्पादन - चन्द्रप्रभा (अजमेर) मैथिली कुसुमाञ्जलि (पटना) अनुभूति (पटना), मैथिल बन्धु (मासिक, अजमेर १६३६ सँ) चौपाड़ि (पटना) अ. र. - चामुण्डा (उपन्यास) सत्यव्रतोपाख्यान , शुम्भासुर - वध, सुदर्शनोपाख्यान, विदेहक भूमि, कविता-संग्रह, गल्प-संग्रह, मिथिलाक संस्कृतिक इतिहास (अंग्रेजीमे Cultural History of Mithila) सद. - पी. ई. एन.; बिहार रिसर्च सोसाइटी आदि, व. प. – आर्या-वर्त्त-प्रकाशन मन्दिर, इन्डिअन नेशन प्रेस, पटना - १, स्था. प. - मधेपुर, जि० दरभंगा ।

लक्ष्मीवतीदेवी

उ.— 'लीला', 'दयावती', ज.— बिट्ठो, डा० सरिसब-पाही १८३६ शाके कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी शनि, शि. — हिन्दी विश्वविद्यालय, प्रयागक प्रवेशिका उत्तीर्ण, प.— पति श्रीलक्ष्मीपतिसिंह, शा. प्र. — कविता, गल्प, निबन्ध, र.– मैथिली-लोकगीत-संग्रह (अप्रकाशित) कविता, निबन्ध ओ गल्प, विविध पत्र-पत्रिकामे प्रकाशित ।

ललितेशमिश्र

उ.— ललित, ज.— चानपूरा, ६-४-१६३२, शि.— बी. ए. (आनर्स), व्य.— अध्यापन, शा. प्र.— कथा, प्रथ.—"कबुला" कथा, वैदेही (१६४६-५०) मे प्रकाशित, अ. र.– गल्प - संग्रह, पत्रपत्रिकामे प्रकाशित, व. प,– मिर्जापुर, दरभंगा, स्था. प. – गा० चानपूरा, पो०-बसैठ, जि० दरभंगा ।

विजयकांतमिश्र

शा. प्र.— निबन्ध, आलोचना, इतिहास आदि, लौ. प्र. — पुरातत्त्व

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0: In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

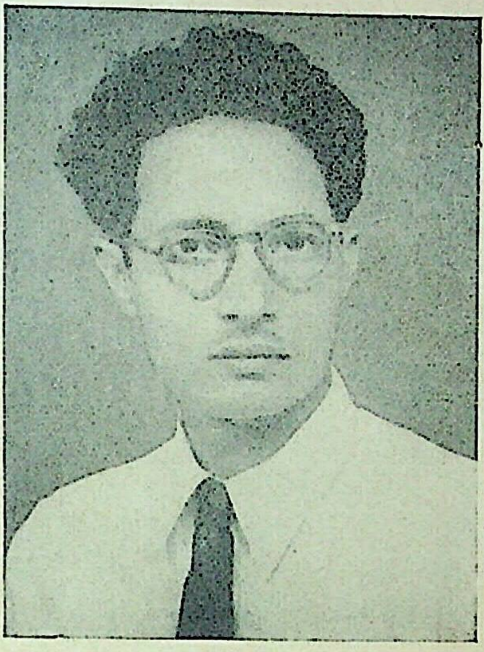

डा० श्रीउपेन्द्रठाकुर, लहेरियासराय

श्रीसोमदेव, लहेरियासराय

श्रीसुन्दरझाशास्त्री, बभनगामा

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

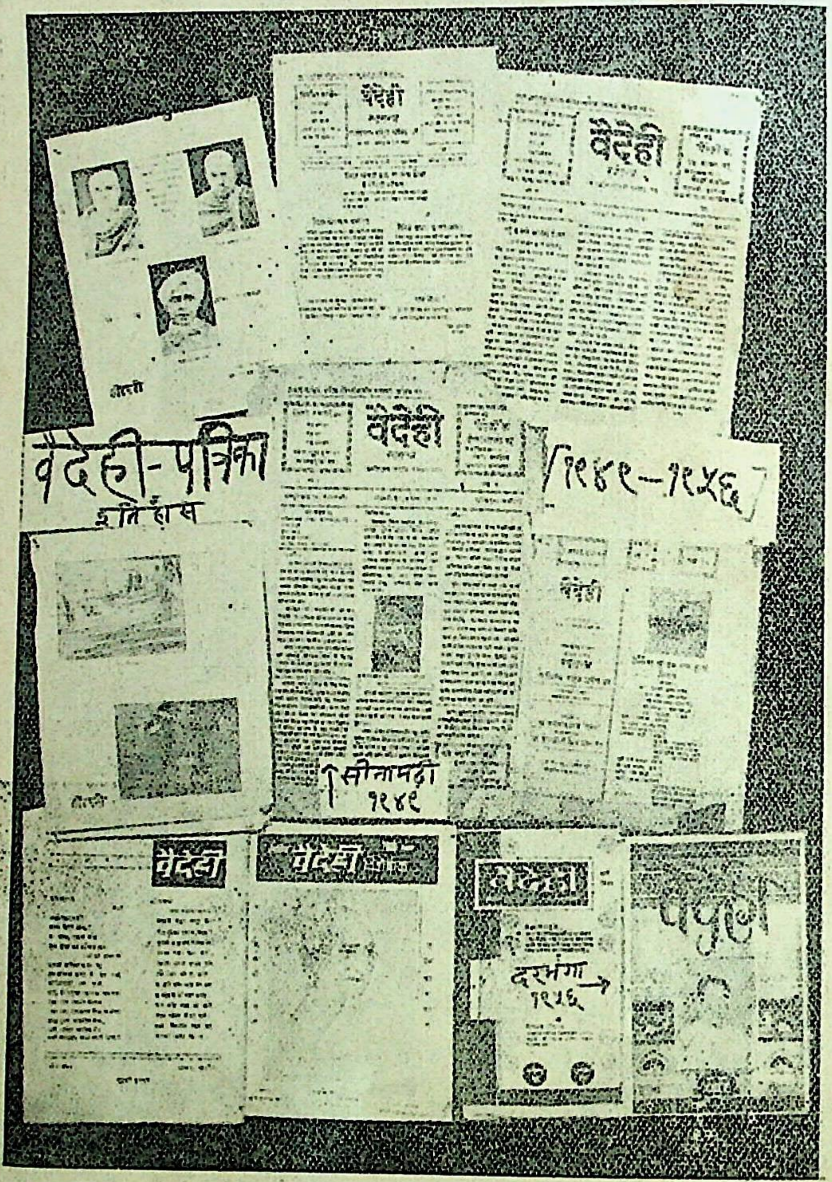

'वैदेही' पत्रिकाक इतिहास

(१९४९-५६)

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

उत्खनन स्था. प.— तीरभुक्ति, १, ऐलनगंज रोड, प्रयाग।

विजयनारायणमिश्र

उ. – प्रवासी, ज. – गजहारा १०-४-१६३२ ई०, व्य. – शिक्षक प. – एक पुत्र, शा. प्र. – कविता, गद्य, प्रथ. – कृषक (५ मई १९५१) प्र.– भूखे मानव, रागिनी, आग, स्था. प. – गाम पो० गजहरा, दरभंगा।

विद्यानन्द

उ. – किसलय, व. प. – द्वारा श्रीचन्द्रनाथमिश्र 'अमर' एम्. एल्. एकेडमी लहेरियासराय (दरभंगा)।

विद्यापतिसिंह

व. प.—प्राध्यापक, मिथिला कालेज, दरभंगा।

वेदानन्दझा

ज.–रुपौली, फाल्गुन कृष्ण तृतीया, १३२३ साल, शि. – एम्. ए., बी. एल्., व्य. – राजकीय सेवा, आय-कर-विभाग, प. – पत्नी, ३ पुत्र ओ ५ कन्या, प्रथ.—गीतामृत (१६४६), प्र.—गीतामृत (गीताक मैथिली अनुवाद), दुर्गामृत (दुर्गा सप्तशतीक अनुवाद), शिवस्तुति (शतरुद्रियक अनुवाद), प्रेमाञ्जलि (गीताञ्जलिक भावानुवाद), श्रद्धाञ्जलि (कविता-सग्रह), सत्यनारारायणव्रत-कथा (पद्यानुवाद), अ. र.—सामवेदक प्रथम पाँच दशकक अनुवाद, रुद्राष्टाध्यायीक अनुवाद, सरस्वती रहस्योपनिषद् (पद्यानुवाद), देव्युपनिषद् (पद्यानुवाद), बह्वृचोपनिषद् (पद्यानुवाद), व. प.—आय-कर-विभाग, छपरा, स्था. प.—रुपौली, जि० दरभंगा।

वैद्यनाथमिश्र

उ.—यात्री। देखू – पृष्ठ ३।

वैद्यनाथसरस्वती

ज.—दहौरा, २० जनवरी, १६३२ ई., शि. – बी. ए., व्य.—एम. ए. (एन्थ्रोपोलोजी), प.—पत्नी श्रीसोमारानी ; पुत्र श्रीप्रफुल्ल, शा. प्र.—

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

सांस्कृतिक अन्वेषण, अ. र. – मिथिलाक सम्बन्धमे नृत्तत्त्व-विज्ञान सम्बन्धी चारि-पाँच निबन्ध, प्रथम-मिलन (कविता), व. प. – डिपार्टमेन्ट आफ एन्थ्रोपोलोजी, राँची डिग्री कालेज, राँची, स्था. प. – ग्राम दहौरा, पो० सकुरी, जि० दरभंगा।

व्यास—देखू उपेन्द्रनाथझा पृष्ठ ८ ।

ब्रजकिशोरवर्मा

देखू पृष्ठ १० ।

शङ्करमिश्र

स्था. प. – लालबाग, दरभंगा।

शशिनाथझा

शा. प्र. – नैयायिक, व्य. – प्राध्यापक, मिथिला संस्कृत विद्यापीठ, दरभंगा, प. – ३ पुत्र—श्रीघनानन्दझा, श्रीगुणानन्दझा, श्रीपुण्यानन्दझा , २ पुत्री श्रीतारादेवी ओ श्रीधात्रीदेवी, शा. प्र. – नाटक, निबन्ध, स्था. प. – राँटी पो० , दरभंगा।

शशिनाथचौधरी

शा. प्र. – निबन्ध आदि, स्था. प. – मिसर टोला, दरभंगा।

शशिनाथमिश्र

ज.—दरभंगा, १९२५ ई. , शि.—मैट्रिक, व्य.—एकाउन्टेन्ट, मिथिला संस्कृत विद्यापीठ, दरभंगा, शा. प्र. – नेनहिसँ मैथिलीमे गद्य, इतिहास आदिक प्रकाशन, वि.—उप-मन्त्री, वैदेही समिति, दरभंगा, स्था. प. – गंगासागर, दरभंगा।

शारदानन्दझा

प्र. – जयवार, स्था. प. – हरिपुर, पो० लोहट, दरभंगा।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

श्रीउग्रानन्दसिहझा, चनौर

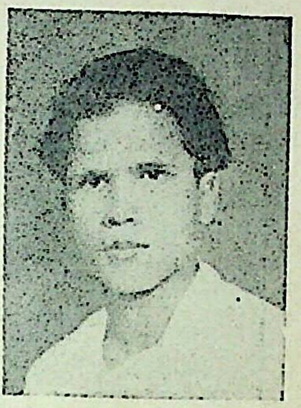

श्रीविजयनारायणमिश्र, घोघरडीहा

श्रीवैद्यनाथसरस्वती, राँची

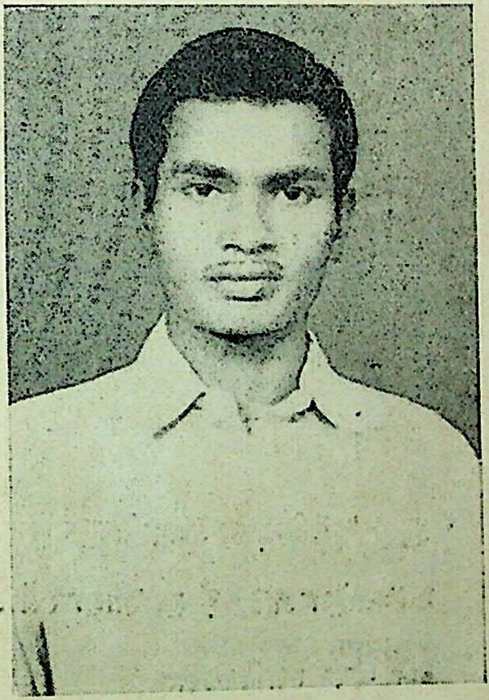

श्रीअमरनाथझा, लहेरियासराय

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

बिहारक भूतपूर्व राज्यपाल. महामहिमश्रीमाधव श्रीहरिअणे
जनिक आशीर्वाद 'वैदेही'क सर्वप्रथम अंकक हेतु प्राप्त भेल छल

अमरनाथ झा

प्रयाग
२९.३.५१

"वैदेही" मैथिलीक उत्तम सेवा क रहल अछि। मातृभाषाक उन्नति के नै चाहैत अछि? हम आशा रखैत छी जे ई पत्रिका दिन-प्रति दिन उन्नति करत।

अमरनाथ झा

स्व० डा० अमरनाथझाजीक सन्देश

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

शास्त्री—देखू सुन्दरझा ।

शिवशङ्करझा

देखू पृष्ठ ७।

शिवानन्दचौधरी

ज.—रूपसपुर (पुरैनिञा), माघ १३०० साल फ० , शि.– हिन्दी, बँगला, मैथिली, संस्कृत, ओ अंगरेजी साहित्यक अध्ययन, व्य. – खेती; दरभंगा-महराजक भूतपूर्व कर्मचारी, प्र. - कपाल-कुण्डला (१६२१), अ. र. – भारतवर्षक इतिहास, किछु निबन्ध, स्था. प. – ग्राम रूपसपुर, डा० रौतारा, पुरैनिञा ।

शेखर—देखू सुधांशु'शेखर'चौधरी ।

शैलेन्द्रमोहनझा

ज. – नेहरा (दरभंगा), ता० ३-१-१६२६ ई. , शि. – हिन्दी ओ मैथिलीमे एम. ए. , व्य.—कओलेजमे अध्यापन, प.—माए, - दू बहिन, पत्नी, एक कन्या ओ दू पुत्र, शा. प्र.—पढ़व ओ पढ़ाएब, गल्प ओ आलोचना लिखब, प्रथ.—' देखू आएल सुभग वसंत' कविता, प्र.—प्रतिमा, परिचय-निचय अ. र. – मधुश्रावणी, कथा-मञ्जरी, व. प. – प्राध्यापक, टाटा कालेज, चाइबासा, स्था. प.—नेहरा, (दरभङ्गा) ।

श्यामबिहारीदास

ज.—नवानी. (दरभङ्गा) १ फरवरी, १६२० ई. , शि.—मेट्रिकुलेट, व्य.—लिपिक, प.—पत्नी श्रीसुभद्रादेवी; पुत्र श्रीप्रमोद; पुत्री श्रीसुधा ओ श्रीसुनीता, प्रथ.—गोधूलि (कविता) १९५४ , व. प.—दरभङ्गा सुगर कम्पनी लि०, लोहट, जि० दरभंगा, स्था. प.—ग्राम ओ डा० नवानी, जि० दरभङ्गा ।

'श्यामानंद'—देखू इन्द्रपतिसिंह ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

श्यामामिश्र.

ज.—पुरसौलिया, १० मइ, १९३२ ई., शि. – मिडिलतक स्कूलमे, ततः पर घरहिमे, व्य.—पारिवारिक गृहकृत्य, प.—पिता श्रीउपेन्द्रनारायणझा, लोक-निर्माण-विभागक कार्यपालक अभियन्ता; श्वशुर श्रीजगन्नाथमिश्र, कलुआही उच्च विद्यालयक प्रधानाध्यापक; अपना एक कन्या ओ एक बालक, शा. प्र. – सुसाहित्य पढ़बामे ओ मैथिल परिवारक प्रत्येक कार्यमे रुचि, प्रथ. – 'नारी' शीर्षक कविता (१९५३, अप्रैलमे 'वैदेही'मे प्रकाशित),

श्रीकस्साहेब—देखू क्षेमधारीसिंह।

श्रीकांतठाकुर, विद्यालङ्कार

व. प.—सम्पादक, आर्यावर्त्त, पटना

श्रीकृष्णमिश्र

व. प.—प्राध्यापक, मिथिला कालेज, दरभंगा।

श्रीमंतलालदास

व. प.—अध्यापक, बांकीपुर महिला विद्यालय, पटना।

श्रीश—देखू दुर्गानाथझा

सीतारामझा

देखू—पृष्ठ ५।

सीतारामामिश्र

उ.—केन्द्र, ज.—बरेली (उत्तर प्रदेश) भाद्रकृष्ण दशमी सं० १९५८ वि०, शि.—एम. ए.; साहित्य रत्न, व्य.—अध्यापन, प.—पुत्र श्रीज्ञानेन्द्रनाथमिश्र, बी. ए., श्रीदेवेन्द्रनाथमिश्र बी. ए., एल. टी.; पौत्र श्रीदिनेशमिश्र; पुत्री सुश्रीसुनीतिमिश्र, कुमारीजयन्तीमिश्र, कुमारी कीर्त्तिमिश्र, पुत्रवधू श्रीमती रामेश्वरीमिश्र, शा. प्र.—नाटक-लेखन,

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

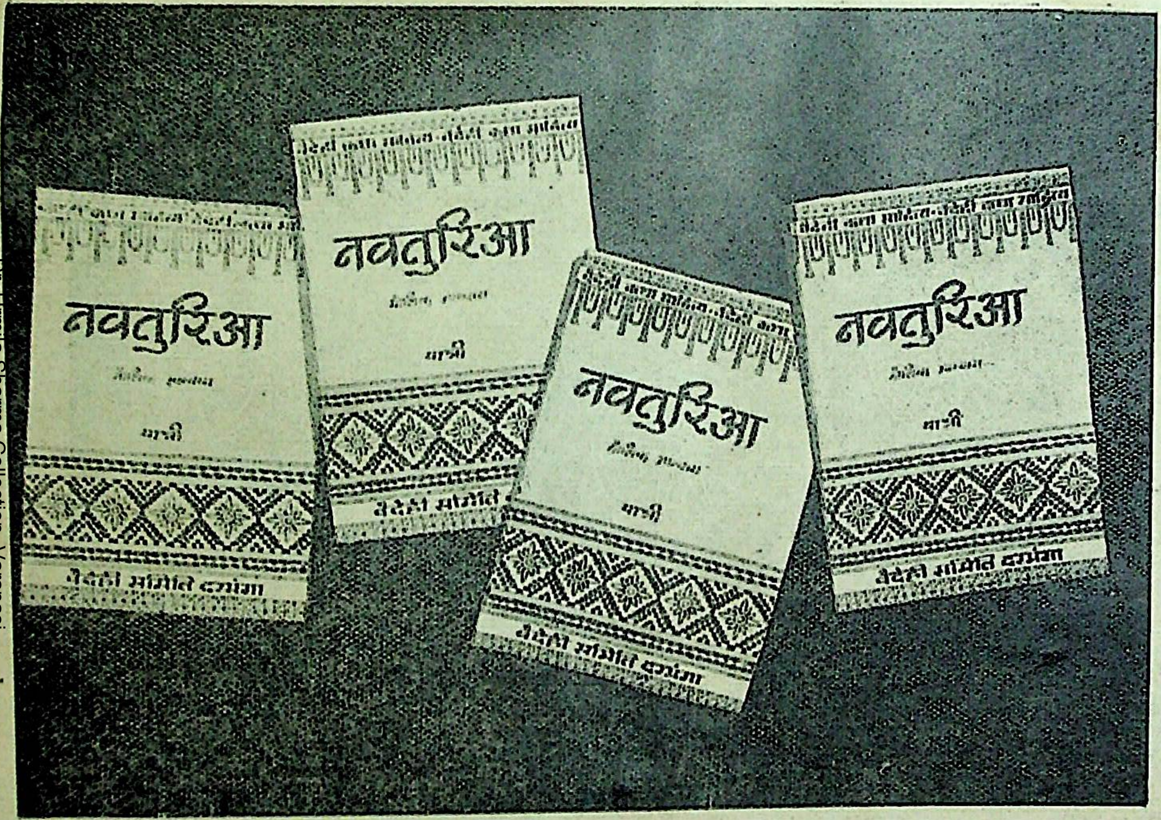

समितिक प्रकाशन

●

श्रीयात्री : नवतुरिया

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

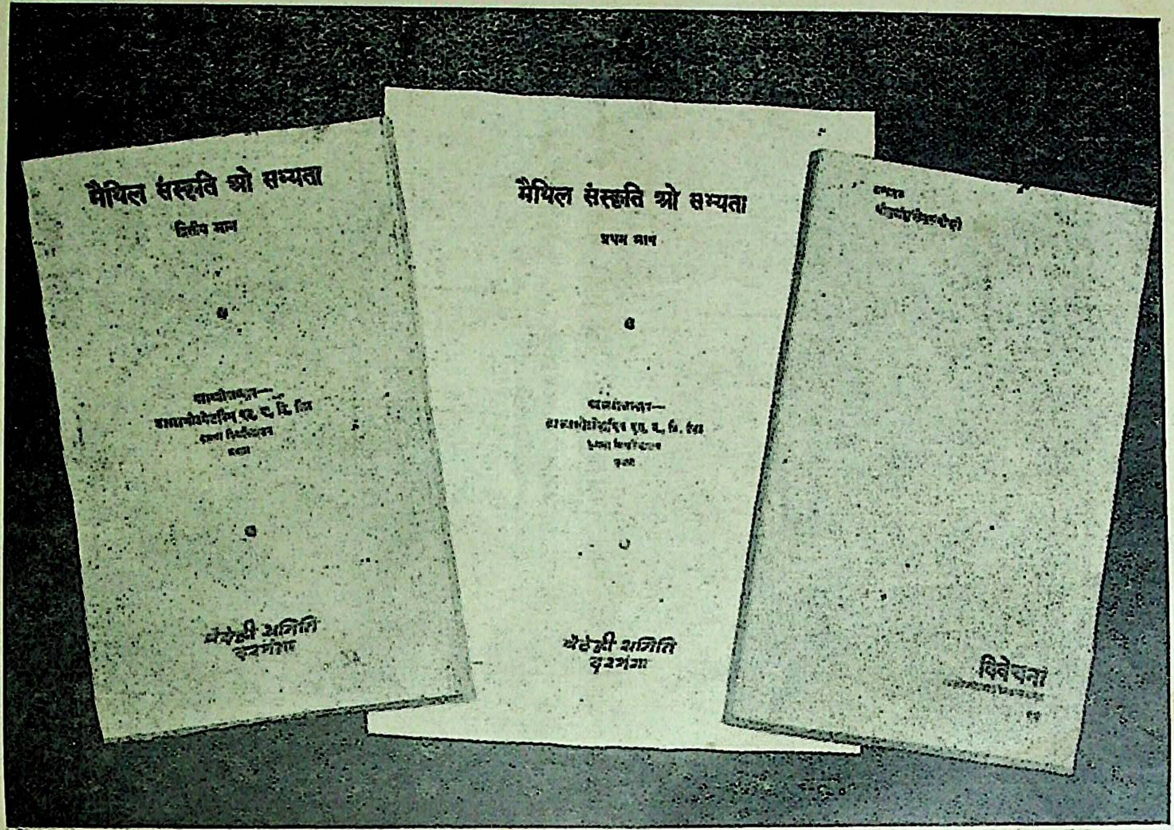

समितिक प्रकाशन

●

म० म० डा० श्रीउमेशमिश्र
रचित
मैथिल संस्कृति ओ सभ्यता
(प्रथम एवं द्वितीय भाग)

●

श्री'शेखर' सम्पादित
विवेचना

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

लौ. प्र.— भारतीय संस्कृतिक प्रतिपादन, अ. र.— मैथिली-बोध- व्याकरण (१९४६) रघुनन्दन - दिग्विजय - नाटक (१९४७) तरङ्ग, कविता-संग्रह (१९४८) प्रजा-रञ्जन, नाटक स्था. प.—माहेश्वरीनगर, डिबाइ, जि० बुलन्दशहर (उ. प्र.)।

सुधाकरझा, डा०

व. प. – मैथिली विभाग, पटना बिश्वविद्यालय, पटना।

सुधांशु 'शेखर' चौधरि

देखू पृष्ठ ११।

सुन्दरझा

उ. – शास्त्री, ज.– रहिका (दरभंगा), २२ नवम्बर, १९३० ई०, शि. – व्याकरणाचार्य; व्य. – अध्ययन, प. – पत्नी श्रीमुन्द्रिकादेवी; एक पुत्र, शा. प्र.– कविता, नाटक, उपन्यास, प्र.थ. – शृङ्गार - तिलक (अनुवाद), १९५५, अ. र.– आलोक, कविता-संग्रह· रत्नावली-नाटक, बाँटि कुटि खाइ उपन्यास, संशय, नाटक, विषमता (खण्डकाव्य) व. प. – शंकर छात्रावास, जवाहर कुटीर, रामचौक, दरभंगा, स्था. प. – गाम बभनगामा, डा० जयनगर-जनकपुरधाम, जि० दरभंगा।

सुमन

देखू सुरेन्द्रझा पृष्ठ ६।

सुभद्रझा, डा०

व. प. — पुस्तकालयाध्यक्ष, राजकीय संस्कृत कालेज, बनारस।

सूर्यकांत, डा०

व. प. – राज क्वार्टर, डेनबी रोड, दरभंगा।

सोमदेव - देखू गौरीशंकरप्रसाद

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

हरिमोहनझा

देखू पृष्ठ – ३ ।

हितनारायणझा

ज. — बभनगामा (सहरसा); शि. — साहित्य - विशारद, मुख्तार, व्य. – मुख्तारगिरी, शा. प्र. - निबन्ध ओ आलोचना, प्रथ. – मैथिली-निबन्ध (१९३६), मैथिली-गद्य-पुष्पाञ्जलि, दिग्दर्शन, कविवर चन्दाझा ओ वर्डसवर्थक प्रकृति-प्रेम, अ. र. – मैथिलीमे नाट्य–साहित्यक विकास, आधुनिक मैथिली कविताक स्वरूप, व॰ प॰ – मधेपुरा, जि॰ सहरसा । स्था. प. – बभनगामा, डा॰ सुपौल, जि॰ सहरसा ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

'वैदेही'क बृहत् कथा-
विशेषांक (१९५६)

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

समितिक प्रकाशन

●

चारि आना कैञ्चा, खट्टर झाक अखाड़ा, गप्पक फोड़न

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आ

भरतनि

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi